सांध्य दैनिक

# 4PM

जिद...सच की



इंतजार मत करिए। सही समय कभी नहीं आता।
–नेपोलियन हिल

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 12 ● अंकः 79 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शुक्रवार 24 अप्रैल, 2026

जीत की लय हासिल करना चाहेगी... 7 | पंजाब में बदलेगा कुछ या रहेगी... 3 | भाजपा सरकार में महिलाएं-बेटियां... 2


# ट्रंप की इंडिया इज नरक टिप्पणी पर भारत की कड़ी आपत्ति

## भारत ने इसे अशोभनीय और अनुचित बताया

» हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने कहा कि वह इस पोस्ट से गहराई से परेशान

» जन्म से नागरिकता वाले मामले में ट्रंप पलटना चाहते हैं कानून

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आज सवाल सिर्फ एक बयान का नहीं रह गया है। आज सवाल है कि कौन दुनिया का नैरेटिव लिखेगा? और किस हद तक जाएगा? क्योंकि एक तरफ डोनाल्ड ट्रंप का विवादित बयान सामने आया है जिसमें उन्होंने भारत और चीन की तुलना नरक से करते हुए सियासी और कूटनीतिक हलकों में आग लगा दी है।

वहीं दूसरी तरफ ईरान ने इस पूरे विवाद में कूदते हुए मामले को सीधा जियोपॉलिटिकल अखाड़ा बना दिया है। ट्रंप के बयान पर भारत ने इसे अनुचित अशोभनीय और तथ्यों से परे बताया है। लेकिन कहानी यहां खत्म नहीं होती बल्कि कहानी यहां से शुरू होती है क्योंकि अब ईरान ने भी इस आग में घी डालते हुए भारत को जन्नत और अमेरिका को नरक बताकर अपनी तरफ से पलटवार किया है। सवाल उठता है कि यह क्या है समर्थन या फिर एक सोची समझी कूटनीतिक चाल।

### ईरान ने भारत को 'जन्नत' और अमेरिका को बताया 'नरक'

### भारत ने जताई कड़ी आपत्ति

भारत को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सोशल मीडिया पर दिए गए बयान पर उठे विवाद के बीच भारत ने सख्त प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्रालय ने इन टिप्पणियों को बिना जानकारी के अनुचित और अशोभनीय बताते हुए कहा कि ये दोनों देशों के मजबूत और आपसी सम्मान पर आधारित रिश्तों को सही ढंग से नहीं दर्शातीं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा है कि हमने उन टिप्पणियों को देखा है और साथ ही उनके जवाब में अमेरिकी दूतावास द्वारा जारी किए गए बाद के बयान को भी। यह टिप्पणियां स्पष्ट रूप से बिना जानकारी के अनुचित और अशोभनीय हैं। ये निश्चित रूप से भारत-अमेरिका संबंधों की वास्तविकता को नहीं दर्शातीं। यह संबंध लंबे समय से आपसी सम्मान और साझा हितों पर आधारित रहे हैं।

### शब्दों की आग सीमाओं के पार धुआं

याद रखना चाहिए कि आज का दौर सिर्फ हथियारों का नहीं रह गया है बल्कि नैरेटिव वार का है। शब्द यहां गोले हैं बयान यहां मिसाइल हैं और सोशल मीडिया सबसे बड़ा युद्धक्षेत्र। अमेरिकन प्रेसीडेंट डोनाल्ड ट्रंप ने जिस संदर्भ में यह टिप्पणी की है वह अमेरिका की घरेलू राजनीति इमिग्रेशन और जन्म से नागरिकता के विवाद से जुड़ा है। लेकिन जब भारत का नाम इसमें घसीटा गया तो यह घरेलू मुद्दा नहीं रहा अब यह अंतरराष्ट्रीय बहस बन गया। ट्रंप के बयान के बाद आलोचना का शोर चारों ओर सुनाई दे रहा है। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने इस बयान को लेकर गहरी आपत्ति जताई है तो भारत के राजनीतिक और कूटनीतिक हलकों में भी असहमति साफ दिखाई दी। सवाल अब भी वही है कि क्या यह सिर्फ चुनावी बयानबाजी है या फिर एक ऐसी प्रवृत्ति जो दुनिया को हम बनाम वह में बांटने पर आमादा है? भारत ने जवाब देकर अपनी स्थिति स्पष्ट कर दी है कि रिश्ते बराबरी और सम्मान पर टिकते हैं तंज और तिरस्कार पर नहीं। लेकिन दुनिया देख रही है कि क्या यह विवाद केवल एक बयान तक सीमित रहेगा या फिर यह आने वाले समय में वैश्विक कूटनीति की दिशा पर भी असर डालेगा। क्योंकि जब शब्दों में आग होती है तो उसका धुआं सीमाओं के पार भी दिखाई देता है।

### 'भारत को नरक कहने वाले बयान से बचा जाए'

राज्य सभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने भी इस पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि जब वह एक कार्यक्रम में जा रही थीं तब उन्होंने ट्रंप का यह पोस्ट देखा। उन्होंने कहा कि मैं उम्मीद करती हूं कि भारत को नरक कहने और ऐसे बयान देने से बचा जाए। हडसन इंस्टीट्यूट के एक कार्यक्रम में उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे बयान ठीक नहीं हैं और इन्हें नजरअंदाज किया जाना चाहिए। अपने पोस्ट में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक लंबा संदेश शेयर किया जिसमें उन्होंने जन्म से नागरिकता मिलने के नियम पर सवाल उठाए और कानूनी संस्थाओं, इमिग्रेंट्स और एशियाई-अमेरिकी समुदाय के कुछ हिस्सों की आलोचना की। उन्होंने अमेरिकन सिविल लिबर्टीज यूनियन (एसीएलयू) को गैंगस्टर आपराधिक संगठन तक कह दिया और आरोप लगाया कि इसने देश को बहुत नुकसान पहुंचाया है। पोस्ट में यह भी कहा गया कि जन्म से नागरिकता जैसे मुद्दे पर वकीलों के बजाय जनता को फैसला करना चाहिए। उन्होंने लिखा कि इस पर राष्ट्रीय स्तर पर वोट होना चाहिए न कि कुछ वकील इसका फैसला करें। इमिग्रेशन को लेकर भी पोस्ट में कई बड़े और विवादित दावे



किए गए। इसमें कहा गया कि यहां जन्म लेने वाला बच्चा तुरंत नागरिक बन जाता है और फिर वह अपने पूरे परिवार को चीन, भारत या किसी और देश से यहां ले आता है। साथ ही यह भी कहा गया कि कैलिफोर्निया में गोरे लोगों को नौकरी नहीं मिलती खासकर हाई-टेक कंपनियों में। ट्रंप के इन बयानों की तुरंत आलोचना शुरू हो गई। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन ने कहा कि वह इस पोस्ट से गहराई से परेशान है। संगठन ने कहा कि इस तरह के नस्लभेदी और नफरत भरे बयान भारतीय और चीनी मूल के अमेरिकियों को निशाना बनाते हैं। ट्रंप के पोस्ट में अमेरिकी कानूनी व्यवस्था और सुप्रीम कोर्ट पर भी सवाल उठाए गए। उन्होंने कहा कि हम देश के भविष्य का फैसला कुछ वकीलों पर नहीं छोड़ सकते। उन्होंने यह भी कहा कि संविधान उस समय लिखा गया था जब न हवाई यात्रा थी और न इंटरनेट इसलिए आज के समय में इसकी प्रासंगिकता पर सवाल उठना चाहिए। अमेरिका में जन्म से नागरिकता का अधिकार संविधान के 14वें संशोधन के तहत मिलता है। यह मुद्दा लंबे समय से इमिग्रेशन बहस का हिस्सा रहा है। ज्यादातर कानूनी विशेषज्ञ मानते हैं कि अमेरिका में जन्म लेने वाला हर व्यक्ति उसके माता-पिता की स्थिति चाहे जो भी हो नागरिकता का हकदार होता है।

# भाजपा सरकार में महिलाएं-बेटियां सबसे ज्यादा असुरक्षित : अखिलेश

» लोकतांत्रिक व्यवस्था को नुकसान पहुंचा रही बीजेपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार पर फिर एकबार करारा हमला किया है। सपा प्रमुख ने कहा इस सरकार में महिलाएं- बेटियां सबसे ज्यादा असुरक्षित हैं। महिलाओं के साथ बलात्कार, हत्या और दुश्कर्म की घटनाएं बढ़ती जा रही है।**

भाजपा सरकार ने महिलाओं के स्वास्थ्य, शिक्षा, सम्मान के लिए कोई काम नहीं किया। महिलाओं को आरक्षण के साथ संरक्षण की जरूरत है। श्री यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री जी खुद नारी विरोधी हैं। भाजपा सौ फीसदी महिलाओं के खिलाफ है। भाजपा सरकार ने महिलाओं के लिए कोई काम नहीं किया। महिलाओं से भेदभाव करती है। भाजपा समाजवादी पार्टी के खिलाफ झूठा प्रचार करती है। अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी चाहती है कि जातीय जनगणना हो लेकिन भाजपा जातीय जनगणना नहीं कराना चाहती है। जातीय जनगणना होने के बाद समाज में शोषित, वंचित और पीछे छूट चुके लोगों को उनका हक और सम्मान मिल सकेगा। भाजपा सरकार बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर द्वारा संविधान में दिए गए आरक्षण को नहीं दे रही है। लोकतांत्रिक व्यवस्था को नुकसान पहुंचा रही

## ममता बनर्जी एक बार फिर भारी बहुमत से चुनाव जीतेंगी

एक सवाल के जवाब में अखिलेश यादव ने कहा कि पश्चिम बंगाल विधान सभा चुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक हार होगी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी एक बार फिर भारी बहुमत से चुनाव जीतेंगी। श्री यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में इटावा के साथ बड़े पैमाने पर भेदभाव किया है।

## भाजपा ने इटावा के विकास को रोका

भाजपा इटावा के विकास को रोककर बर्बाद करना चाहती है। भाजपा के भू माफियाओं ने इटावा की जमीनों पर कब्जा कर लिया है। नदियों और जंगल को बर्बाद कर दिया। भाजपा सरकार ने मंहगाई, बेरोजगारी बढ़ाकर लोगों के सामने संकट पैदा किया है। इस सरकार में किसान परेशानी में है। सरकार किसानों को पीड़ा दे रही है। अखिलेश यादव आज इटावा के चकरनगर के श्री रामकृष्ण परम धाम में आयोजित कुण्डीय महायज्ञ एवं भागवत कथा में शामिल हुए और आशीर्वाद लिया। उन्होंने कहा कि धर्म का रास्ता न्याय का रास्ता है। धर्म का रास्ता खुशहाली का रास्ता है। धर्म का रास्ता किसी के साथ भेदभाव नहीं करता है। श्री यादव ने कहा कि एक समय इटावा का इलाका बेहद दुर्गम माना जाता था। नेताजी और समाजवादी पार्टी की सरकार में आने के बाद इटावा और आस-पास के क्षेत्रों का बड़े पैमाने पर विकास हुआ। उसी का परिणाम है कि सड़कें और पुल बनें। एम्बुलेंस और डायल 100 की पुलिस गांव तक पहुंचने लगी थी।

# गिद्धों से बेटियों को बचाना ही मेरा लक्ष्य : पप्पू यादव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**नालंदा। नालंदा जिले के एक गांव में दुष्कर्म से आहत होकर आत्महत्या करने वाली छात्रा के मामले ने पूरे प्रदेश को झकझोर दिया है। गुरुवार को पूर्णिया से निर्दलीय सांसद पप्पू यादव पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे। उन्होंने परिजनों को सांत्वना दी और दुख की इस घड़ी में 25 हजार रुपये की आर्थिक सहायता भी प्रदान की। मुलाकात के दौरान सांसद भावुक नजर आए और परिवार को न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया।**

» बयान पर बवाल के बाद सांसद ने मांगी माफी

मीडिया से बातचीत में सांसद ने प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिस क्षेत्र से राज्य के शीर्ष नेतृत्व का संबंध है, वहीं की एक बेटी को अभी तक न्याय नहीं मिल सका। उन्होंने आरोप लगाया कि मामले का मुख्य आरोपी अब भी खुला घूम रहा है और उसे राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है। सांसद ने समाज से अपील की कि ऐसे अपराधियों का सामाजिक बहिष्कार किया जाए, ताकि भविष्य में बेटियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। महिला सुरक्षा के मुद्दे पर अपनी स्पष्ट राय रखते हुए पप्पू यादव ने कहा कि उनका संघर्ष उन लोगों के खिलाफ है जो सत्ता और पद का दुरुपयोग कर महिलाओं का शोषण करते हैं। उन्होंने दावा किया कि कई मामलों में सबूत होने के बावजूद कार्रवाई नहीं होती, जो व्यवस्था की गंभीर खामी को दर्शाता है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि उनके किसी बयान से किसी महिला नेता की भावनाएं आहत हुई हैं, तो वह उनसे माफी मांगने को तैयार हैं, लेकिन अपराध करने वालों के खिलाफ उनका संघर्ष जारी रहेगा। सांसद ने कहा कि जरूरत पड़ने पर वह इस मामले को अदालत तक ले जाएंगे और संसद सत्र के दौरान भी इस मुद्दे को मजबूती से उठाएंगे। उन्होंने राज्य के नेतृत्व से अपील की कि इस घटना को गंभीरता से लेते हुए पीड़ित परिवार को जल्द न्याय दिलाया जाए। उन्होंने दोहराया कि देश की बेटियों की सुरक्षा और सम्मान के लिए उनका संघर्ष लगातार जारी रहेगा।

# गौवंश दाने-पानी के लिए मोहताज : जूली

» नेता प्रतिपक्ष जूली और मंत्री दिलावर के बीच सियासी संग्राम

» रफाइनरी और महिला आरक्षण पर घमासान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**जयपुर। राजस्थान में इन दिनों बयानबाजी में तेजी आ गई है। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और भाजपा सरकार के बीच वार-पलटवार जारी है। एक ओर जूली ने पाली जिले के दौरे के दौरान राज्य सरकार पर कई गंभीर आरोप लगाए, वहीं दूसरी ओर कैबिनेट मंत्री मदन दिलावर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स के जरिए कांग्रेस पर पलटवार करते हुए भाजपा सरकार की उपलब्धियों को गिनाया। इस पूरे घटनाक्रम ने प्रदेश की राजनीति को और अधिक गरमा दिया है।**

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि प्रदेश में जनता मूलभूत सुविधाओं के लिए तरस रही है। उन्होंने कहा कि जो भाजपा खुद को हिंदू धर्म और गौमाता का रक्षक बताती है, उसी के शासन में गौवंश दाने-पानी के लिए मोहताज हो गया है। जूली ने श्री पिंजरापोल गौशाला का दौरा किया और वहां की स्थिति पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि भाजपा के लिए गौमाता सिर्फ चुनावी मुद्दा बनकर रह गई है, जबकि वास्तविकता में गौशालाओं की हालत बेहद खराब है। जूली ने दावा किया कि आने वाले समय में भाजपा का जाना तय है पहले राजस्थान से और फिर पूरे देश से। जूली ने गौशालाओं को मिलने वाले अनुदान में देरी को लेकर भी सरकार को आड़े हाथों लिया। यह बड़ी विडंबना है कि प्रदेश के गौपालन मंत्री जोराराम कुमावत स्वयं पाली जिले से आते हैं, लेकिन उनके ही क्षेत्र की गौशालाएं पिछले 4-5 महीनों से अनुदान के लिए तरस रही हैं।समय पर अनुदान नहीं मिलने के कारण गौशालाओं के सामने चारे और पशुओं के भरण-पोषण का संकट गहराता जा रहा है। कांग्रेस सरकार के समय में वर्ष में 9 महीने तक अनुदान देने की व्यवस्था थी।

## केंद्र सरकार और अन्य मुद्दों पर तीखी टिप्पणी

जूली ने केंद्र सरकार पर भी हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा असली मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए बयानबाजी करती है। उन्होंने किसानों, महिला पहलवानों और अन्य संवेदनशील मुद्दों का जिक्र करते हुए भाजपा की नीतियों पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि देश की जनता अब इन बातों को समझ चुकी है और भाजपा की राजनीति ज्यादा दिन चलने वाली नहीं है।

## पाली में सीवरेज और बुनियादी सुविधाओं का संकट

पाली जिले की स्थानीय समस्याओं को उठाते हुए जूली ने कहा कि शहर में सीवरेज की समस्या विकराल रूप ले चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि सड़कों पर बहता गंदा पानी न केवल बदबू फैला रहा है, बल्कि यह कई बीमारियों को भी जन्म दे रहा है। उन्होंने प्रभारी मंत्री और यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी नाक के नीचे लोग नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं, लेकिन प्रशासन इस ओर ध्यान नहीं दे रहा।

# एआईडीएमक गठबंधन की हार तय है : टैगोर

कांग्रेस नेता ने भाजपा को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**चेन्नई। कांग्रेस सांसद मणिक्कम टैगोर ने एआईएडीएमके-भाजपा गठबंधन पर क्षेत्र का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाते हुए उनकी हार की कामना की और तिरुपरनकुंड्रा के विकास के लिए एक कुशल विधायक की आवश्यकता पर बल दिया। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने गुरुवार को तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के दौरान तिरुपरनकुंड्रा निर्वाचन क्षेत्र के एक मतदान केंद्र पर अपना वोट डाला।**

टैगोर ने एआईएडीएमके-भाजपा गठबंधन की आलोचना करते हुए उस पर क्षेत्र का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया और उसकी हार की कामना व्यक्त की। उन्होंने तिरुपरनकुंड्रा निर्वाचन क्षेत्र के विकास के लिए एक कुशल विधायक की आवश्यकता पर भी बल दिया।टैगोर ने कहा कि मैंने तिरुपरनकुंड्रा निर्वाचन क्षेत्र में मतदान किया, जहाँ आरएसएस और भाजपा इस समय राजनीति करने की कोशिश कर रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि इस बार भाजपा-एआईएडीएमके उम्मीदवार यहाँ हार जाएँगे। तिरुपरनकुंड्रा का विकास पिछले पाँच वर्षों से रुका हुआ है, इसलिए हमें एक ऐसे विधायक की आवश्यकता है जो स्थानीय निकायों के साथ समन्वय स्थापित कर सके और इस निर्वाचन क्षेत्र की आवाज़ बन सके।उन्होंने चुनावों के महत्व पर ज़ोर देते हुए बढ़ती मतदान भागीदारी की सराहना की। उन्होंने कहा कि आज का चुनाव बहुत महत्वपूर्ण है। यह चुनाव बहुत निर्णायक साबित होगा। लोग सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। मेरे बूथ पर 36प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है, जो एक अच्छी संख्या है। अधिक से अधिक लोग मतदान केंद्रों पर आ रहे हैं। इससे पहले, एआईएडीएमके उम्मीदवार पी. सरवनन ने मदुरै उत्तर विधानसभा क्षेत्र में अपना वोट डाला और विश्वास जताया कि उनकी पार्टी मौजूदा चुनावों में शानदार जीत हासिल करेगी।

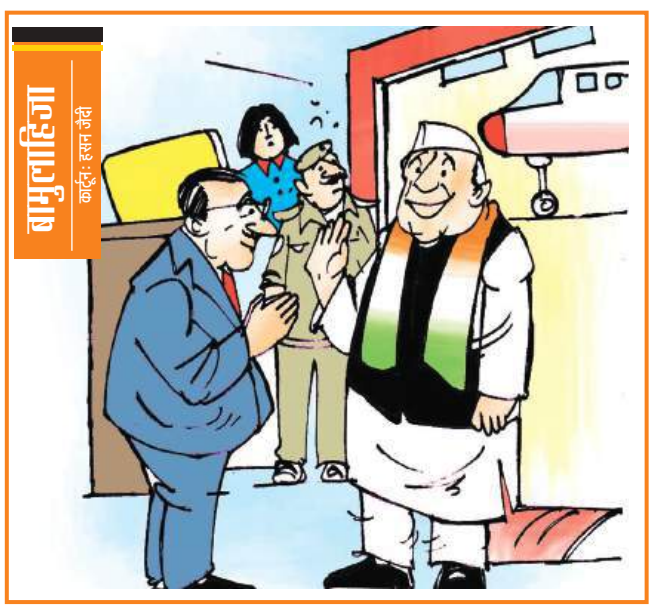


# जब तक मुसलमानों को न्याय नहीं मिल जाता भारत विश्वगुरु नहीं बन सकता : ओवैसी

गुजरात निकाय चुनावों में प्रचार करने उतरे एआईएमआईएम प्रमुख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**गांधीनगर। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने आगामी स्थानीय निकाय चुनावों के मद्देनजर गुजरात के भुज में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार के विश्वगुरु बनने के लक्ष्य पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब तक देश के अल्पसंख्यकों, विशेषकर मुसलमानों को उनके संवैधानिक अधिकार और न्याय नहीं मिलता, तब तक भारत का महाशक्ति बनने का सपना अधूरा रहेगा।**

उन्होंने भुज के मतदाताओं से स्थानीय निकाय चुनावों से पहले समुदाय के भीतर राजनीतिक नेतृत्व को मजबूत करने का आग्रह किया। भुज कस्बे में एक जनसभा को संबोधित करते हुए ओवैसी ने कहा कि अल्पसंख्यकों के लिए न्याय और समानता के बिना विश्व स्तर पर अग्रणी बनने संबंधी भारत की परिकल्पना अधूरी रहेगी। उन्होंने कहा, 'अगर इस देश को विश्वगुरु या महाशक्ति बनना है, तो यह तब तक संभव नहीं है जब तक भारत के मुसलमानों को उनके अधिकार नहीं मिल जाते।' उन्होंने मतदाताओं से भुज नगरपालिका और जिले की विभिन्न तालुका पंचायतों में चुनाव लड़ रहे एआईएमआईएम उम्मीदवारों का समर्थन करने की अपील की। प्रतिद्वंद्वी दलों पर निशाना साधते हुए ओवैसी ने आरोप लगाया कि भाजपा और कांग्रेस, आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) के साथ मिलकर एआईएमआईएम के बारे में 'झूठ फैला रहे हैं'। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी का उद्देश्य लोकतंत्र को मजबूत करना और संविधान में जनता के विश्वास को सुदृढ़ करना है। ओवैसी ने स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी का प्राथमिक उद्देश्य केवल चुनाव जीतना नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र को जमीनी स्तर पर मजबूत करना है।

# पंजाब में बदलेगा कुछ या रहेगी आप की छाप

## नवजोत कौर ने भी पकड़ी राह, अकाली दल भी तैनात

- कांग्रेस व भाजपा ने शुरू की तैयारी
- दो दिग्गज वकीलों ने पकड़ा सियासी दामन
- 27 विस चुनाव की बिछने लगी बिसात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब में अगले साल यूपी विस चुनाव के साथ चुनाव हो सकते हैं। हालांकि वहां पर अभी एक साल बाकी है। पर वहां पर सियासी सरगर्मी अभी से चढ़ने लगी है। पहले कांग्रेस की निष्कासित नेता व पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी नवजोत कौर ने पार्टी से निकाले जाने के बाद अपनी पार्टी को झटका दिया। तो वहीं 1984 के सिख दंगा पीड़ितों के वकील और आम आदमी पार्टी के पूर्व विधायक एचएस फूलका भाजपा में शामिल हो गए हैं, जिसे पंजाब में पार्टी के लिए एक महत्वपूर्ण राजनीतिक बढ़त के रूप में देखा जा रहा है। तो रही सही कसर राघव चड्ढा ने निकाल ली।

वह मौका मिलते ही अपनी ही पार्टी को घेरने से चूकते नहीं है। हालांकि इन्ही सबको देखते हुए पंजाब के सीएम मान ने नेताओं पर बयान देने पर लगाम लगा दी है। कांग्रस के लिए राहत भरी खबर ये रही कि सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता वासु रंजन, पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष राजा वारिंग की उपस्थिति में कांग्रेस में शामिल हो गए हैं, जिससे पार्टी को कानूनी और सामाजिक क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण चेहरा मिला है। रंजन ने 27 में पंजाब में कांग्रेस सरकार बनाने का संकल्प लेते हुए, युवाओं को जोड़ने और पार्टी की विचारधारा को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करने की घोषणा की। सर्वोच्च न्यायालय और पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के वकील तथा वकीलों की परिषद के अध्यक्ष अधिवक्ता वासु रंजन को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में शामिल हो गए। उन्होंने पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष और लुधियाना के सांसद अमरिंदर सिंह राजा वारिंग की उपस्थिति में प्राथमिक सदस्यता ग्रहण की। राजा वारिंग ने अधिवक्ता वासु रंजन का पटका लगाकर स्वागत किया और कांग्रेस पर उनके भरोसे के लिए आभार व्यक्त किया। वहीं अकाली दल भी अकेले लड़ने के लिए मुस्तैद है।

### आप में पार्टी लाइन तोड़ने वालों पर होगी कार्रवाई

राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा को उपनेता पद से हटाए जाने के बाद, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि पार्टी लाइन से बाहर जाने वाले सदस्यों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जानी चाहिए। मुख्यमंत्री मान ने स्पष्ट किया कि चड्ढा को उच्च सदन में उनके पद से हटाना पार्टी की नियमित प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि यह पार्टी की सामान्य कार्यप्रणाली है। वे क्या बयान देना चाहते हैं, यह उनका अपना निर्णय है। जो लोग पार्टी की नीतियों का उल्लंघन करते हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

### भाजपा से बेहतर कोई पार्टी नहीं : फूलका

भाजपा में शामिल होने के बाद वरिष्ठ अधिवक्ता एचएस फूलका ने कहा कि मैं पिछले 40 वर्षों से 1984 के दंगों के पीड़ितों के लिए लड़ रहा हूं, और तब से भाजपा ने मेरा समर्थन किया है। मैंने उनके साथ मिलकर अपनी लड़ाई लड़ी है। मैंने भाजपा के लिए बहुत कानूनी काम भी किया है। मैं 2014 से 17 तक 3 साल तक आम आदमी पार्टी (आप) में था। लेकिन मेरा घनिष्ठ संबंध शुरू से ही भाजपा के साथ रहा है। पंजाब में स्थिति वास्तव में खराब है, जबरन वसूली के फोन आ रहे हैं, वहां कानून व्यवस्था की स्थिति खराब है, नशे का खतरा है और पंजाब की धरती 13-14 वर्षों में बंजर हो जाएगी। लेकिन सरकार को इसकी जरा भी परवाह नहीं है। इसलिए, मैं पंजाब के लिए राजनीति में लौट रहा हूं। भाजपा से बेहतर कोई पार्टी नहीं हो सकती जिसमें मैं लौट सकूं।

### भाजपा ने चुनावी छापे शुरू कर दी है: मान

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भारतीय जनता पार्टी पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और आयकर विभाग की छापेमारी के जरिए विपक्ष को परेशान करके 2027 के विधानसभा चुनावों की तैयारी शुरू करने का आरोप लगाया। मान ने आम आदमी पार्टी के नेताओं को निशाना बनाकर की गई हालिया ईडी कार्रवाई की आलोचना की। उन्होंने बताया कि ईडी ने हाल ही में राज्यसभा सांसद अशोक मित्तल के घर पर छापा मारा था, जो लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के संस्थापक हैं, जहां 35 से अधिक देशों के छात्र पढ़ते हैं। मान ने कहा कि उन्हें इसलिए निशाना बनाया गया क्योंकि वे आम आदमी पार्टी से हैं। ईडी संजीव अरोड़ा के घर पर छापा मार रही है। उन्होंने यहां उपचुनाव में भाजपा को हराया था। आज वे निशाने पर आ गए हैं। अरोड़ा पंजाब के कैबिनेट मंत्री हैं और आम आदमी पार्टी के उन नेताओं में से एक हैं जिन पर ईडी ने छापा मारा है। मान ने कहा कि ये कार्रवाइयां 27 के विधानसभा चुनावों से पहले भाजपा की

तैयारियों का हिस्सा हैं। आबकारी नीति मामले पर बोलते हुए उन्होंने जोर दिया कि आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और नेता मनीष सिसोदिया को अदालत ने बरी कर दिया क्योंकि मामला मनगढ़ंत था, जिसके परिणामस्वरूप कोई दोष सिद्ध नहीं हुआ। उन्होंने ईडी और आयकर विभाग को भेजना शुरू कर दिया है और विपक्ष को डराना-धमकाना शुरू कर दिया है। भाजपा को चुनाव लड़ने के लिए 117 लोग नहीं मिल रहे हैं। लोकतंत्र की हत्या की जा रही है; मैं इसकी निंदा करता हूं। केवल गैर-भाजपा सरकारों को ही फंसाया जा रहा है। छापों से कुछ भी हासिल नहीं होता। अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया को सम्मानपूर्वक रिहा कर दिया गया। एक मनगढ़ंत मामले के आधार पर उनके खिलाफ मुकदमा शुरू करने का कोई तरीका नहीं था। अगर कोई उनके सामने झुकता है, तो वह पूरी तरह से बरी हो जाता है। ये टिप्पणियां पंजाब के मंत्री और विधायक संजीव अरोरा, उनके बेटे काव्या अरोरा और दो व्यापारिक साझेदारों के हरियाणा, चंडीगढ़ और पंजाब स्थित आवासों पर ईडी द्वारा की गई छापेमारी के बाद आईं, जो विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत चल रही जांच से संबंधित थी। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पार्टी नेताओं पर बार-बार की गई ईडी की छापेमारी को लेकर केंद्र की आलोचना की और सवाल उठाया कि कितना काला धन बरामद किया गया है।

### पूरे पंजाब में कांग्रेस को मजबूत करूंगा : वासु रंजन

पार्टी में शामिल होने के बाद, अधिवक्ता वासु रंजन ने कहा कि वे पूरे पंजाब में कांग्रेस को मजबूत करने और इसकी नीतियों और विचारधारा को हर घर तक पहुंचाने के लिए काम करेंगे। उन्होंने युवाओं को जोड़ने के लिए एक विशेष अभियान शुरू करने की योजना की घोषणा की और 2027 में पंजाब में कांग्रेस सरकार स्थापित करने के लिए पूरी लगन से काम करने का संकल्प लिया। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि वे राज्य में पार्टी को मजबूत करने के प्रयासों पर चर्चा करने के लिए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मिलने का इरादा रखते हैं। अधिवक्ता वासु रंजन ने कहा कि वे कांग्रेस की विचारधारा और दृष्टिकोण को जनता के बीच प्रचारित करेंगे, जिसमें पूर्व प्रधानमंत्रियों इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के साथ-साथ पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह के राष्ट्रीय एकता और अखंडता के लिए किए गए बलिदानों को उजागर किया जाएगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राहुल गांधी के राष्ट्र को एकजुट करने और नफरत को खत्म करने के मिशन को पूरा करना उनका प्राथमिक लक्ष्य होगा।

## आम आदमी पार्टी के पूर्व विधायक और मानवाधिकार वकील हरविंदर सिंह फूलका भाजपा में शामिल

27 के पंजाब विधानसभा चुनावों से पहले भारतीय जनता पार्टी को एक बड़ी खुशखबरी मिली है। आम आदमी पार्टी (आप) के पूर्व विधायक और मानवाधिकार वकील हरविंदर सिंह फूलका ने को नई दिल्ली में भाजपा में शामिल होकर सात साल के अंतराल के बाद सक्रिय राजनीति में वापसी की। फूलका, जो पहले ढाका विधानसभा क्षेत्र से विधायक थे, ने केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, पंजाब भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़, दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ और अन्य उपस्थित लोगों की मौजूदगी में राष्ट्रीय राजधानी स्थित पार्टी मुख्यालय में औपचारिक रूप से भाजपा में प्रवेश किया। हरविंदर सिंह फूलका, जिन्हें आमतौर पर एचएस फूलका के नाम से जाना जाता है, सर्वोच्च न्यायालय और दिल्ली उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता हैं। वे 1984 के सिख विरोधी दंगों के पीड़ितों के लिए न्याय की मांग करते हुए लंबी कानूनी लड़ाई के लिए व्यापक रूप से जाने जाते हैं। उनके कार्यों ने उन्हें मानवाधिकार वकील के रूप में राष्ट्रीय ख्याति दिलाई। 70 वर्षीय फूलका ने 2014 में आम आदमी पार्टी से अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत की और पार्टी में तेजी से प्रमुखता हासिल की। उन्होंने 2014 के लोकसभा चुनाव में पंजाब के लुधियाना से आप के टिकट पर चुनाव लड़ा, लेकिन कांग्रेस उम्मीदवार रवनीत सिंह बिट्टू से 19,790 वोटों से हार गए। 17 के पंजाब विधानसभा चुनावों में, फूलका ने ढाका निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ा और अकाली नेता मनप्रीत सिंह अयाली को हराकर जीत हासिल की, और बाद में राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता के रूप में कार्य किया। हालांकि, फूलका ने 2018 में तत्कालीन कांग्रेस सरकार द्वारा 2015 की बेअदबी की घटनाओं में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने में कथित विफलता के विरोध में आप विधायक पद से इस्तीफा दे दिया।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

## जिद... सच की

# अमेरिकी नीतियों सर्तक रहे भारत सरकार

*अभी हाल में ट्रंप ने जिस तरह का व्यवहार भारत के साथ किया है वह निंदनीया है। पर उससे भी बड़ी आलोचना तो अपने देश की सरकार की होनी चाहिए जिसने उसकी नीतियों में अपने लाभ देखे जबकि उसकी नीति भारत के लिए कतई गलत हैं। हालांकि समय-समय पर भारत ने अमेरिका का कुछ मामलों में विरोध जरूर किया पर वह काफी सीमित रहा। अभी हाल में ऑक्सफैम की जारी एक रिपोर्ट ने दुनिया के अति-धनी वर्ग की ओर से टैक्स हैवन देशों में छिपाकर रखी गई बेहिसाब संपत्ति की ओर ध्यान आकर्षित किया है। रिपोर्ट में सरकारों से कर प्रणालियों को मजबूत करने, वित्तीय पारदर्शिता बढ़ाने और ग्लोबल एसेट रजिस्टर बनाने का आह्वान किया गया है, ताकि सबसे अमीर व्यक्तियों की संपत्तियों को पहचान कर उन पर उच्च दर से कर लगाया जा सके। ब्रिटेन की इस संस्था के अनुसार, दुनिया के शीर्ष 0.1 प्रतिशत अमीरों की ओर से विदेशों में छिपाकर रखी गई अघोषित संपत्ति, सबसे गरीब आधी आबादी यानी लगभग 4.1 अरब लोगों की कुल संपत्ति से भी अधिक है। रिपोर्ट के अनुसार, पनामा पेपर्स लीक के दस साल बाद भी अति-धनी वर्ग कर चोरी के लिए विदेशी प्रणालियों का दुरुपयोग कर रहा है।*

*वर्ष 2024 में इस छिपाई गई दौलत का अनुमान 3.5 ट्रिलियन डॉलर लगाया गया है, जो फ्रांस की जीडीपी से भी अधिक और दुनिया के 44 सबसे कम विकसित देशों की संयुक्त जीडीपी के दोगुने से ज्यादा और भारत की जीडीपी का लगभग 85 प्रतिशत है। आंकड़ों की यह भयावह तस्वीर बताती है कि कैसे मुट्ठी भर अमीर अपार शक्ति और नियंत्रण का उपयोग कर रहे हैं। धन का यह अभूतपूर्व संकेंद्रण न केवल असमानता को जन्म देता है, बल्कि समाज को भी छिन्न-भिन्न कर रहा है। ऑक्सफैम की यह रिपोर्ट वैश्विक चेतना को झकझोरने वाली है और भारत के लिए इसके विशेष मायने हैं, जहां हाल के वर्षों में एक नया अति-धनी वर्ग पैदा हुआ है। जब देश दुनिया की चौथी से तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, तब इस तरह की चेतावनियों को नजरअंदाज किया जाना विडंबनापूर्ण होगा। अमरीकी आख्यानों का अनुसरण करना और शेयरधारक पूंजीवाद की नकल करना भारतीय लोकाचार और वसुधैव कुटुंबकम के मूल्यों के अनुरूप नहीं है। इससे उसी तरह संसाधनों की लूट बढ़ेगी और वही विसंगतियां पैदा होंगी, जो आज अमरीका में दिख रही हैं। रिपोर्ट विफल होती वैश्विक व्यवस्था और सामाजिक ताने-बाने में आती दरार और हिंसा के उभरते खतरे को दिखाती है।*

**आंकड़ों की यह भयावह तस्वीर बताती है कि कैसे मुट्ठी भर अमीर अपार शक्ति और नियंत्रण का उपयोग कर रहे हैं। धन का यह अभूतपूर्व संकेंद्रण न केवल असमानता को जन्म देता है, बल्कि समाज को भी छिन्न-भिन्न कर रहा है।**

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

# कांशी राम की विरासत हासिल करने की जुगत

त्रिलियोक डीप

पिछले दिनों लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कांशी राम को 'सामाजिक न्याय का योद्धा' और 'सशक्तीकरण का प्रतीक' बताते हुए उन्हें मरणोपरांत 'भारत रत्न' दिए जाने की मांग की। इस आशय का एक पत्र उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखकर उन्हें सम्मानित करने के लिए कहा। यह मांग राहुल गांधी ने लखनऊ में 15 मार्च, 2026 को कांशी राम के जन्मदिन पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए की। राहुल गांधी ने उनकी विचारधारा की प्रशंसा की और कांग्रेस की पिछली गलतियों को स्वीकार करते हुए उनके संघर्ष को याद किया। इतना ही नहीं राहुल गांधी ने कांशी राम को एक ऐसे नेता के तौर पर स्मरण किया जिन्होंने दलितों और हाशिये पर पड़े समुदायों के लिए अपने जीवन में कभी समझौता नहीं किया। यहां तक तो ठीक है लेकिन राहुल गांधी ने यह कहकर कि अगर नेहरू जी जीवित होते तो कांशी राम कांग्रेस के मुख्यमंत्री बनते, उनके कद को छोटा करने का प्रयास किया है।

उधर दूसरी तरफ बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो मायावती ने राहुल गांधी के इस कदम को दलित वोट बैंक में सेंध लगाने की कोशिश बताते हुए उनकी कड़ी आलोचना की और कहा कि कांग्रेस ने सत्ता में रहते हुए कांशी राम का सम्मान नहीं किया। इस कदम को 2027 के उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले दलित मतदाताओं को कांग्रेस की ओर आकर्षित करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। कांग्रेस इस कदम के जरिये दलित वोट बैंक को फिर से अपने पाले में लाने की कोशिश कर रही है। मायावती ने पूछा कि जब कांशी राम का निधन हुआ था तब कांग्रेस ने एक दिन का शोक तक नहीं मनाया था और वह अब किस मुंह से उन्हें 'भारत रत्न' देने की मांग कर रही है। मायावती ने राहुल गांधी के इस कदम को दलितों के प्रति कांग्रेस का दिखावा बताया और कांशी राम की विरासत को हथियाने का प्रयास करार दिया। राहुल गांधी ने यह भी कहा था कि यदि कांग्रेस ने पहले बेहतर काम किया होता तो कांशी राम को अलग से संघर्ष करने की आवश्यकता नहीं पड़ती।

उन्होंने स्वीकार किया कि कांग्रेस की पूर्व की कुछ कमियां रही थीं जिसके कारण कांशी राम को अलग से संघर्ष करना पड़ा। राहुल गांधी आज स्वीकार करते हैं कि वह कांशी राम के विचारों और सिद्धांतों को सही मायने में समझते हैं और इसीलिए वह लोकसभा के भीतर और बाहर भी दलितों, शोषितों, आदिवासियों, अन्य पिछड़ा और अति पिछड़ा वर्गों के अधिकारों जैसे मुद्दे खूब

उठाते रहते हैं। संभव है वह यह साबित करना चाहते हों कि कांशी राम के विचारों और सिद्धांतों को सही मायने में वही समझते हैं और इन वर्गों की बदहाली का मुद्दा उठाते रहते हैं। दलितों, शोषितों और पिछड़ा वर्ग ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी गठबंधन को तरजीह दी थी। जिसके चलते बहुजन समाज पार्टी को एक भी सीट नहीं मिली। कभी बसपा के लोकसभा में 14 सांसद थे। 1999 में तब बसपा के सुप्रीमो कांशी राम थे। कांशी राम से मेरी बीसियों मुलकातें हैं। उनके जुनून को मैंने नजदीक से देखा है। उन्हें दिल्ली के रेहगड़पुरा (करोलबाग के पास) एक छोटे से कमरे में भी देखा है और हुमायूं रोड वाले सांसदों के बंगले में देखा। उनके रहन-सहन में कोई फर्क नहीं दिखा। वह जैसे सीधे-साधे, साफगो इंसान पहले थे, यहां भी वैसे ही दिखे। फिर कांशी राम को 1971 में अखिल भारतीय अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अन्य पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यकों के शिक्षित सदस्यों से बने संगठन 'बामसेफ', 1981 में दलित, शोषित समाज संघर्ष समिति (डीएस4) के निर्माण करते देखा, जिसमें उन्होंने कहा था कि हमारी संस्थाएं न तो धार्मिक हैं और न ही राजनीतिक और न ही हमारा उद्देश्य आंदोलन करना है बल्कि हमारा यह सामाजिक संगठन है। उस समय उनका नारा था—'ब्राह्मण, ठाकुर, बनिया छोड़, बाकी सब डीएस4'। इसके माध्यम से दलितों, शोषितों तथा अन्य पिछड़ा वर्ग के बीच चेतना जगाई और उनकी सहायता से जगह जगह छितरे मतों का एकीकरण करने का काम किया। अभी तक ये सभी मत थोक भाव से कांग्रेस तथा अन्य पार्टियों के बीच विभाजित हो जाया करते थे। लिहाजा 1984 में उन्होंने बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की स्थापना की और नारा दिया 'जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी भागीदारी'।

1984 में निर्मित बसपा के संस्थापक कांशी राम छत्तीसगढ़ के जांजगीर से लोकसभा के चुनावी मैदान में कूदे और हार गए। 1988 और 1989 का चुनाव हारने के बाद कांशी राम ने कहा था कि 'बसपा पहला चुनाव हारने के लिए, दूसरा नज़र में आने के लिए और तीसरा जीत दर्ज करने के लिए लड़ती है।' कांशी राम 1991 में इटावा और 1996 में होशियारपुर से लोकसभा के चुनाव जीते और 1998-2004 तक राज्यसभा के सदस्य रहे। इन चुनाव परिणामों से राजनीति में बसपा को महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त हो गया।

# किसानों और कृषि के सामने मानसून का जोखिम

**भारतीय मौसम विभाग ने अल नीनो के कारण 2026 में सामान्य से कम मॉनसून का अनुमान लगाया है। यह पूर्वानुमान पिछले 26 वर्षों में मानसून का सबसे कम शुरुआती अनुमान है। इससे देश में कृषि उत्पादन और खाद्य कीमतों पर असर पड़ सकता है।**

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में विश्व बैंक ने कहा है कि वर्ष 2026 में कमजोर मानसून से भारत में कृषि की पैदावार और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ सकता है। इससे महंगाई बढ़ने और विकास दर में कमी की चुनौती होगी। भारतीय मौसम विभाग ने अल नीनो के कारण 2026 में सामान्य से कम मॉनसून का अनुमान लगाया है। यह पूर्वानुमान पिछले 26 वर्षों में मानसून का सबसे कम शुरुआती अनुमान है। इससे देश में कृषि उत्पादन और खाद्य कीमतों पर असर पड़ सकता है। मौसम विभाग ने बारिश के दीर्घकालिक औसत (एलपीए) के 92 प्रतिशत रहने की संभावना बताई है। यह पूर्वानुमान 5 फीसदी अधिक या कम की मॉडल त्रुटि के साथ जारी किया गया है। स्काईमेट की रिपोर्ट के अनुसार देश में 75 प्रतिशत वर्षा पर आधारित मॉनसून सीजन में 5 प्रतिशत कम-ज्यादा के साथ 94 प्रतिशत वर्षा हो सकती है। पिछले आंकड़े बताते हैं कि सामान्य से कम मॉनसून वाले वर्षों में जब बारिश का समय, वितरण और फैलाव लगभग समान रहा तब खरीफ के उत्पादन में अधिक कमी नहीं हुई किन्तु गैर-सिंचित क्षेत्रों में उगाई जाने वाली दलहन-तिलहन फसलों के लिए जोखिम हो सकती हैं।

पश्चिम एशिया संघर्ष से महंगे उर्वरक, महंगे तेल और आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने से खेती की लागत बड़ी है, तब कमजोर मानसून से न केवल कृषि, वरन अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक असर हो सकता है। पेयजल समस्या बढ़ सकती है। नीति आयोग के मुताबिक देश के कुल फसल रकबे का केवल 55 फीसदी सिंचित है और 45 प्रतिशत खेती मॉनसून पर निर्भर है। सीडब्ल्यूएमआई के अनुसार, लगभग 74 प्रतिशत गेहूं और 65 प्रतिशत चावल की खेती वाले क्षेत्र पहले से ही भारी जल-संकट का सामना कर रहे हैं। व्यावसायिक फसलों और औद्योगिकीकरण की ओर बढ़ते रुझान से भारत में मॉनसून की वर्षा पर निर्भरता बढ़ी है। अब अल-नीनो के खतरे और कमजोर मॉनसून की आशंका से जलाशय के सूखने और खेती के लिए पानी की कमी की चिंता बढ़ गई है।

केंद्रीय जल आयोग देश में कुल 183.565 बिलियन क्यूबिक मीटर (बीसीएम) क्षमता वाले 166 प्रमुख जलाशयों के भंडारण पर नजर रखता है। इस समय इन जलाशयों में कुल क्षमता का 44.71 प्रतिशत है। हाल में इसमें तेजी से कमी आई है। वर्ष 2024-25 में भारत में 35.70 करोड़ टन खाद्यान्न का रिकॉर्ड उत्पादन हुआ है। इस वर्ष 2025-26 में इससे भी अधिक खाद्यान्न उत्पादन की संभावना है। 2026 में गेहूं की खेती का रकबा भी पिछले वर्ष के 328.04 लाख हेक्टेयर की तुलना में बढ़कर लगभग 334.17 लाख हेक्टेयर हो गया है। ये एक और अच्छी फसल की संभावना का संकेत देता है।

एफसीआई के पास केंद्रीय पूल में एक अप्रैल 2026 को लगभग गेहूं और चावल का 600 लाख टन से अधिक का उपलब्ध स्टॉक खाद्य सुरक्षा के मामले में भारत की मजबूती है। इस समय देश के 80 करोड़ से अधिक कमजोर वर्ग के लोगों को निःशुल्क खाद्यान्न वितरित किया जा रहा है। यह भी उल्लेखनीय है कि हाल ही में प्रकाशित निर्यात आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 में भारत ने 55 अरब डॉलर मूल्य का कृषि निर्यात किया है और भारत दुनिया का 7वां सबसे बड़ा कृषि निर्यात के लिए देश के कृषि निर्यात परिदृश्य पर यह उभकर दिखाई दे रहा है कि वर्ष 2014 से 2025 के बीच प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों का निर्यात चार गुना, फलों और दालों का निर्यात तीन गुना, खाद्यान्न का निर्यात दो गुना और चावल के निर्यात में करीब 62 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

भारत सरकार ने घरेलू बाजारों को स्थिर करने और उत्पादकों को लाभकारी प्रतिफल सुनिश्चित करने के लिए एक निर्णायक और किसान-केंद्रित कदम उठाते हुए 50 लाख मीट्रिक टन गेहूं और अतिरिक्त 10 लाख मीट्रिक टन गेहूं उत्पादों के निर्यात को मंजूरी दे दी है। लेकिन कमजोर मानसून के चलते आगामी निर्यात आदेशों की पूर्ति के लिए सजगता रखी जाए। देश ने देखा है कि वर्ष 2021-22 में 70 लाख टन से अधिक गेहूं का निर्यात किया था, लेकिन वर्ष 2024 में गेहूं का आयात करना पड़ा। निस्संदेह, कम बारिश से जलाशयों में पानी का स्तर गिरने से सिंचाई और पीने के पानी की उपलब्धता प्रभावित होगी, ऐसे में अभी से जल संरक्षण के प्रयास शुरू होने चाहिए। इस समय जो खुदरा महंगाई दर 3.40 प्रतिशत है, उसके बढ़ने की आशंका होगी। अतएव मूल्यों की रोकथाम की रणनीति के साथ आगे बढ़ना होगा। भारत को फसल विविधीकरण और खेती में आधुनिक तकनीक के एकीकरण के साथ आगे बढ़ना होगा। सिंचाई व्यवस्था की नई नीति तैयार करना लाभप्रद होगी। अनाज बर्बाद होने से बचाने के लिए देश में वर्ष 2028 तक सहकारी क्षेत्र में 700 लाख टन अनाज भंडारण की नई क्षमता विकसित करने की महत्वाकांक्षी योजना को तेजी से आगे बढ़ाया जाना होगा।

## ताड़ासन

ताड़ासन शरीर की स्ट्रेचिंग और संतुलन के लिए अच्छा माना जाता है। यह आसन शरीर को एक्टिव बनाने में मदद कर सकता है। इसके अभ्यास के लिए सीधे खड़े हो जाएं। दोनों हाथों को ऊपर उठाएं और शरीर ऊपर की ओर स्ट्रेच करें। कुछ देर इसी अवस्था में रहें। इसके अलावा शरीर में किसी भी तरह के दर्द को कम करने के लिए रोजाना ताड़ासन का अभ्यास बहुत फायदेमंद होता है। इसका अभ्यास करने से घुटने, जांघ और पैरों में होने वाले दर्द को कम करने में फायदा मिलता है। इसके अलावा रीढ़ की हड्डी में दर्द की समस्या को कम करने में फायदेमंद होता है।

## प्राणायाम

प्राणायाम शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ाने में मदद करता है। रोजाना कुछ मिनट गहरी सांस लेने की प्रक्रिया करने से मन शांत और शरीर ऊर्जावान महसूस कर सकता है। इसके अलावा पाचन तंत्र के सही से काम न करने से पेट के कई रोग जन्म ले लेते हैं। ऐसे में पेट के रोगों को दूर करने के लिए आप बाह्य प्राणायाम कर सकते हैं। इसे रोज करने से पेट में गैस और एसिडिटी की समस्या ठीक होती है। साथ ही यह कब्ज और अपच से भी राहत दिलाता है। वहीं अपनी एकाग्रता बढ़ाने के लिए आपको नियमित रूप से बाह्य प्राणायाम जरूर करना चाहिए। यह मन और दिमाग को शांत रखने में मदद करता है, जिससे एकाग्रता बढ़ती है। मन की बेचैनी को दूर करने के लिए आप इस प्राणायाम को कर सकते हैं।

## भुजंगासन

भुजंगासन पीठ और शरीर की मांसपेशियों को मजबूत बनाने में मदद कर सकता है। इस आसन के अभ्यास के लिए पेट के बल लेट जाएं। हाथों के सहारे शरीर को ऊपर उठाएं। कुछ सेकंड तक इसी स्थिति में रहें।

## सूर्य नमस्कार

सूर्य नमस्कार कई योगासन का मिश्रण है और इसे करने से शरीर में लचीलापन और ऊर्जा बढ़ सकती है। सूर्य नमस्कार का अभ्यास करने से पहले सही श्वास का ज्ञान होना जरूरी है। शुरुआत में हथेलियों को नमस्कार मुद्रा में जोड़ना चाहिए, जिससे ध्यान केंद्रित होता है और मन स्थिर होता है। यह मुद्रा न केवल मानसिक एकाग्रता बढ़ाती है, बल्कि शरीर की मुद्रा को सही दिशा में तैयार करती है। सूर्य नमस्कार की मुद्राओं में शरीर को मोड़ने, झुकाने और फैलाने की कई गतियां शामिल हैं, जो लचीलापन बढ़ाने में अहम भूमिका निभाती हैं। यह लचीलापन न केवल शारीरिक चोटों से बचाता है, बल्कि मांसपेशियों को मजबूत बनाता है। इसके साथ ही, नियमित अभ्यास से शारीरिक संतुलन और सहनशीलता में भी सुधार आता है।

## बालासन

बालासन एक रिलैक्सिंग योगासन है जो शरीर और दिमाग को आराम देता है। बालासन के अभ्यास के लिए घुटनों के बल बैठकर शरीर को आगे की ओर झुकाएं। फिर माथे को जमीन पर टिकाते हुए हाथों को आगे की ओर फैलाएं। गहरी सांस लें और इस स्थिति में आराम करें।

# थकान को गर्मियों में दूर भगाएंगे ये योगासन

गर्मियों का मौसम आते ही कई लोगों को जल्दी थकान, सुस्ती और कमजोरी महसूस होने लगती है। तेज धूप और बढ़ते तापमान के कारण शरीर पर ज्यादा असर पड़ता है, जिससे दिनभर एनर्जी कम लग सकती है। ऐसे में अगर आप कुछ आसान योगासन अपने रूटीन में शामिल करें, तो शरीर को ऊर्जा मिल सकती है और थकान कम महसूस हो सकती है। गर्मियों में थकान महसूस होना आम समस्या हो सकती है, लेकिन सही दिनचर्या और नियमित योग के जरिए शरीर को एक्टिव और ऊर्जावान रखा जा सकता है। अगर आप रोजाना कुछ मिनट योग करते हैं और हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाते हैं, तो गर्मियों में भी शरीर में एनर्जी और ताजगी बनी रह सकती है। गर्मी के मौसम में थकान महसूस होने के पीछे कई कारण हो सकते हैं। ज्यादा पसीना आने से शरीर में पानी की कमी हो जाती है। तेज धूप और गर्म तापमान से भी समस्या होती है। नींद की कमी हो जाती है। अनियमित खान-पान जैसे कारणों से शरीर जल्दी थक सकता है और सुस्ती महसूस हो सकती है।

## हंसना मना है

सर- अंग्रेजों ने चांद पर पानी और बरफ की खोज कर ली है। बताओ इससे तुमने क्या सिखा? संता - बस हमें अब सिर्फ दारु और नमकीन लेके जाना है!

हसबैंड वाईफ में लड़ाई हुई, हसबैंड घर से चला गया, हसबैंड: रात को फोन पे, खाने में क्या है। वाईफ- जहर। हसबैंड : मैं देर से आऊंगा, तुम खा कर सो जाना।

टीचर- सेमिस्टर सिस्टम के फायदे बताओ? स्टूडेंट- फायदे तो पता नहीं, पर बेइजत्ती साल में 2 बार हो जाती है।

भिखारी- कुछ खाने को दे दो, लड़की- टमाटर खाओ, भिखारी- रोटी दे दो, लड़की- टमाटर खाओ, भिखारी- अच्छा लाओ टमाटर ही दे दो, लडकी की मां- अरे तुम जाओ बाबाजी ये तोतली है। कह रही है.. कमा कर खाओ।

जिस लड़के कि शादी, उसकी पहली ही गर्लफ्रेंड से हो जाए तो ऐसा लगता है जैसे बंदा Try Ball पर ही आउट हो गया।

लड़की- प्लीज मेरे हसबैंड को अंदर बुला लीजिये, डॉक्टर- घबराओ नही मै एक शरीफ आदमी हूं। लड़की- आप समझे नहीं, बाहर आपकी नर्स अकेली है।

## कहानी — बंदर और लकड़ी का खूंटा

शहर से थोड़ी दूर में एक मंदिर बनाया जा रहा था। उस मंदिर के निर्माण में लकड़ियों का इस्तेमाल किया जा रहा था। जिसके लिए शहर से कुछ मजदूर आए हुए थे। एक दिन मजदूर लकड़ी चीर रहे थे। सारे मजदूर एक घंटे लिए खाना खाने चले गये। तक वहां कोई भी नहीं रहता था। एक दिन मजदूर ने लकड़ी आधी ही चीर थी। इसलिए, वह बीच में लकड़ी का खूंटा फंसा देता है, ताकि दोबारा चीरने के लिए आरी फंसाने में आसानी हो। उनके खाना खाने जाने के कुछ समय बाद बंदरों का एक समूह वहां आ जाता है। उस समूह में एक शरारती बंदर था, जो वहां पड़ी चीजों को उल्टा-पुल्टा करने लगा। बंदरों के सरदार ने सभी को वहां रखी चीजों को छेड़ने से मना किया। कुछ समय बाद सारे बंदर पेड़ों की तरफ वापस जाने लगे, तो वह शरारती बंदर सबसे बचकर पीछे रह जाता है और उधम मचाने लगता है। उसकी नजर उस अधचिरे लकड़ी पर पड़ती है, जिस पर मजदूर ने लकड़ी का खूंटा लगाया था। खूंटे को देखकर बंदर सोचने लगा कि उस लकड़ी को वहां पर क्यों लगाया है, उसे निकालने पर क्या होगा। फिर वह उस खूंटे को बाहर निकालने के लिए खींचने लगता है। बंदर के अधिक जोर लगाने पर वह खूंटा हिलने और खिसकने लगता है, और जोर लगाकर उस खूंटे को सरकाने लगता है। वह खूंटे को निकालने में इतना मगन हो जाता है कि उसे पता ही नहीं चलता कि कब उसकी पूंछ दोनों पाटों के बीच में आ गई। बंदर पूरी ताकत के साथ खूंटे को खींचकर बाहर निकाल देता है। खूंटा निकलते ही लकड़ी के दोनों भाग चिपक जाते हैं और उसकी पूंछ बीच में फंस जाती है। पूंछ के फंसने पर बंदर दर्द के मारे चिल्लाने लगता है और तभी मजदूर भी वहां पहुंच जाते हैं। उन्हें देखकर बंदर भागने के लिए जोर लगाता है, तो पूंछ टूट जाती है। वह चीखते हुए टूटी पूछ लेकर भागता हुआ अपने झुंड के पास पहुंच जाता है। वहां पहुंचते ही सभी बंदर उसकी टूटी हुई पूंछ देखकर हंसने लगते हैं।

## 7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

## जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद् हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

**मेष** — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार में लाभ होगा।

**वृषभ** — परिवार व मित्रों के साथ समय प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होगा। शारीरिक कष्ट संभव है, सावधान रहें। निवेश शुभ रहेगा। तीर्थयात्रा की योजना बन सकती है।

**मिथुन** — भागदौड़ रहेगी। बोलचाल में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। पुराना रोग उभर सकता है। व्यापार में अधिक ध्यान देना पड़ेगा। जोखिम न उठाएं। व्ययवृद्धि से तनाव रहेगा।

**कर्क** — जीवनसाथी पर अधिक मेहरबान होंगे। कोर्ट व कचहरी के कार्यों में अनुकूलता रहेगी। लाभ में वृद्धि होगी। पारिवारिक प्रसन्नता तथा संतुष्टि रहेगी। निवेश शुभ रहेगा।

**सिंह** — आय में वृद्धि होगी। मित्रों के साथ बाहर जाने की योजना बनेगी। रोजगार प्राप्ति के योग हैं। परिवार व स्नेहीजनों के साथ विवाद हो सकता है। शत्रुता में वृद्धि होगी।

**कन्या** — नई योजना बनेगी। लोगों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। काफी समय से अटके काम पूरे होने के योग हैं। भरपूर प्रयास करें।

**तुला** — प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें। प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी। व्ययसाय लाभप्रद रहेगा। कार्य पर ध्यान दें। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेने की स्थिति बन सकती है।

**वृश्चिक** — यात्रा लाभदायक रहेगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। वस्तुएं संभालकर रखें। कोई राजकीय बाधा हो सकती है।

**धनु** — नवीन वस्त्राभूषण पर व्यय होगा। अचानक लाभ के योग हैं। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यापार में वृद्धि से संतुष्टि रहेगी। नौकरी में जवाबदारी बढ़ सकती है।

**मकर** — निवेश करने का समय नहीं है। नौकरी में मातहतों से अनबन हो सकती है, धैर्य रखें। परिवार की आवश्यकताओं के लिए भागदौड़ तथा व्यय की अधिकता रहेगी।

**कुम्भ** — सुख के साधनों पर व्यय सोच-समझकर करें। निवेश करने से बचें। व्यापार ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

**मीन** — थोड़े प्रयास से ही काम सफल रहेंगे। मित्रों की सहायता करने का अवसर प्राप्त होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। बेचैनी रहेगी।

हालीवुड | मन की बात

# बिगबी ठीक रात 12 बजे बर्थडे बिश करते हैं : दिव्या दत्ता

अमिताभ बच्चन बॉलीवुड के शहंशाह हैं। अपने अब तक के करियर में तमाम ब्लॉकबस्टर फिल्में देने वाले बिग बी लोगों के दिलों पर आज भी राज करते हैं। वहीं तमाम सेलेब्स भी बिग बी के मिलनसार नेचर की काफी तारीफ करते हैं। एक्ट्रेस दिव्या दत्ता ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अमिताभ बच्चन को लेकर एक खुलासा किया है। उन्होंने कहा कि बिग बी हर किसी को स्पेशल फील कराते हैं। दरअसल फिल्मबीट से एक बातचीत के दौरान दिव्या ने बताया कि उन्हें पर्सनली अमिताभ बच्चन से रात ठीक 12 बजे बर्थडे विशेज मिली हैं। बिग बी की इस आदत के बारे में बात करते हुए दिव्या ने कहा, उनकी यह खासियत है कि वे हर किसी को उनके जन्मदिन पर बधाई देते हैं, ऐसा कितने लोग करते हैं? वे हमेशा ठीक रात 12 बजे सबको जन्मदिन की बधाई देते हैं, उनमें लोगों को बहुत खास महसूस कराने का हुनर है, और मैं उन्हें बेहद पसंद करती हूं। उन्होंने आगे कहा कि यह आदत इसलिए खास है क्योंकि वे अपने बिजी शेड्यूल के बावजूद भी नियमित रूप से और दिल से इसे करते हैं। दिव्या ने एक और पल को याद किया जिसने उन पर गहरी छाप छोड़ी थी। उन्होंने बताया कि अमिताभ बच्चन उनकी बुक लॉन्च के लिए समय से पहले ही पहुंच गए थे। उन्होंने कहा, मेरी बुक का लॉन्च था और मिस्टर बच्चन बुक लॉन्च कर रहे थे, उनकी टीम ने बताया कि वे ठीक 7:30 बजे पहुंचेंगे। इसलिए मैं अपना फोटोशूट करवा रही थी। 7:20 बज गए थे और मैंने अपने सामने एक लंबा-चौड़ा शख्स खड़ा देखा, वे मिस्टर बच्चन थे! मैं हैरान रह गई। वे समय से पहले आ गए थे। उन्होंने मुझसे कहा, 'आप आराम से समय लें, मैं जल्दी आ गया हूं।' वे कितने विनम्र हैं। दिव्या दत्ता ने फिल्म बागबान में अमिताभ बच्चन के साथ भी काम किया है। उन्होंने बताया कि फिल्म में एक ग्रे शेड वाले किरदार को निभाते समय अमिताभ बच्चन ने उनका कितना साथ दिया।

# जवान 2 की स्क्रिप्ट हुई तैयार! जल्द ही एटली संग धूम मचायेंगे किंग खान

बॉलीवुड के सुपरस्टार शाहरुख खान इन दिनों खूब सुर्खियों में है। फैंस के बीच उनकी आने वाली फिल्म किंग को लेकर पहले से ही एक्साइटमेंट है, जिसमें वो दीपिका पादुकोण संग नजर आएंगे। इसी बीच अब एक बड़े प्रोजेक्ट की खबर ने सभी फैंस को खुश कर दिया है। हाल ही में उनकी 2023 की ब्लॉकबस्टर फिल्म जवान के सीक्वल को लेकर नई अपडेट सामने आया है, जिसकी चर्चा सोशल मीडिया पर तेज हो गई है।

शाहरुख खान फिलहाल अपनी अपकमिंग फिल्म किंग की शूटिंग में बिजी है, जिसे सिद्धार्थ आनंद डायरेक्ट कर रहे है। इस बीच एक बड़ी खबर सामने आई कि जवान 2 की स्क्रिप्ट भी तैयार हो गई है। बताया जा रहा है कि पिछले कुछ समय से इस फिल्म पर काम किया जा रहा था और अब इसकी कहानी फाइनल कर दी गई है। जैसे ही शाहरुख खान किंग की शूटिंग पूरी करेंगे, वो इस प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर सकते है।

इसके अलावा फिल्म से जुड़ी एक और खबर आई है कि मेकर्स इस बार एक दमदार विलेन की तलाश कर रहे है। इस रोल के लिए वो साउथ के कई बड़े स्टार्स को कास्ट करने की प्लानिंग कर रहे है। अगर ऐसा होता है, तो इस बार भी पहले पार्ट की तरह शाहरुख खान और एटली की जोड़ी सिनेमाघरों में धमाल मचा सकती है। हालांकि, फिल्म की ऑफिशियली कोई घोषणा नहीं हुई है, लेकिन इन खबरों ने फैंस की उम्मीदें बढ़ा दी है।

बता दें कि 2023 में रिलीज हुई जवान ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई की थी, जिसमें उनके साथ दीपिका पादुकोण, नयनतारा, विजय सेतुपति और सान्या मल्होत्रा जैसे कलाकार नजर आए थी। साथ ही संजय दत्त का कैमियो भी देखने को मिला था। फिल्म की सफलता के बाद ये शाहरुख खान के करियर की सबसे बड़ी हिट्स में शामिल हो चुकी है। अगर जवान 2 बनती है, तो फैंस को इससे बहुत ज्यादा उम्मीदें होंगी।

बॉलीवुड | मसाला

# ज्योतिका संग शीघ्र ही नये अवतार में दिखेंगे सनी देओल

सनी देओल अपनी फिल्मों को लेकर खूब सुर्खियां बटोरते हैं। सनी को एक्शन अवतार में देखने के लिए फैंस एक्साइटेड रहते हैं। हाल ही में सनी देओल ने बड़े प्रोजेक्ट की अनाउंसमेंट की है। ये उनके करियर के सबसे बड़े प्रोजेक्ट्स में से एक होने जा रहा है। फिल्म में सनी देओल को एक नए अवतार में देखने का मौका मिलेगा। फिल्म के बॉक्स ऑफिस पर कई रिकॉर्ड तोड़ने की खबरें हैं।

इस फिल्म में ज्योतिका फीमेल लीड में होंगी। रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर का एक्सेल एंटरटेनमेंट फिल्म को प्रोड्यूस कर रहा है। एआर मुरुगादॉस भी प्रोड्यूस करेंगे।

प्रोडक्शन से जुड़े सोर्स के मुताबिक, सनी देओल एक बहुत बड़े और हाई-कॉन्सेप्ट प्रोजेक्ट की तैयारी कर रहे हैं। ये बड़े पर्दे पर उनकी मौजूदगी को एक नई पहचान दे सकता है। हालांकि, मेकर्स ने डिटेल्स को काफी छुपा कर रखा है। खबरें हैं कि इसे बहुत बड़े स्केल पर बनाया जा रहा है। इसे पहले से ही एक मजबूत साथ मिल चुका है। इस फिल्म में उनके अब तक के सबसे प्रभावशाली और चर्चित प्रोजेक्ट्स में से एक बनने की पूरी काबिलियत है।

बता दें कि चेन्नई के फिल्ममेकर बालाजी गणेश, जो लंबे समय तक ए।आर। मुरुगादॉस के को-डायरेक्टर रहे हैं। इस सस्पेंस थ्रिलर के साथ बतौर डायरेक्टर अपनी शुरुआत कर रहे हैं। उनके पास कहानी, निर्देशन और बड़े पैमाने के प्रोडक्शन का अच्छा एक्सपीरियंस है। फिल्म में कासिम जगमगिया, विशाल रामचंद्रनी, आदित्य जोशी, सुनील जैन और यूसुफ शेख इसके को-प्रोड्यूसर हैं।

सनी देओल के वर्क फ्रंट की बात करें तो उनके हाथ में कई फिल्में हैं। सनी देओल को गबरू, रामायण पार्ट 1 और रामायण पार्ट 2 में दिखेंगे। रामायण पार्ट 1 में सनी देओल हनुमान के रोल में दिखेंगे। इस फिल्म को लेकर काफी चर्चा है। फिल्म में रणबीर कपूर राम के रोल में होंगे और साई पल्लवी मां सीता के रोल में होंगी।

अजब-गजब | यह है भारत का सबसे अनोखा घर!

# खाना खाते हैं एक देश में, सोने चले जाते हैं दूसरे देश में, दो देशों में बंटा हुआ है यहां के राजा का घर

क्या आपने कभी सोचा है कि एक ही घर में खाना खाने के लिए एक देश जाना पड़े और सोने के लिए दूसरे देश में चले आना पड़े? जी हां, यह कोई फिल्मी कहानी नहीं बल्कि भारत के नागालैंड में हकीकत है। यहां का लोंगवा गांव भारत-म्यांमार सीमा पर बसा है जहां गांव के राजा का घर दो देशों में बंटा हुआ है।

इस घर का किचन म्यांमार में है और बेडरूम भारत में। यानी परिवार के सदस्य खाना बनाने म्यांमार जाते हैं और सोने भारत लौट आते हैं। बिना किसी पासपोर्ट या वीजा के वे रोजाना दोनों देशों के बीच घूमते हैं। नागालैंड के मोन जिले में स्थित लोंगवा गांव में मौजूद है ये सबसे अनोखा घर। कोन्याक नागा जनजाति का गढ़ है। यह जनजाति अपनी हेडहंटिंग परंपरा के लिए मशहूर रही है लेकिन आज यह शांतिपूर्ण जीवन जी रही है। गांव के चीफ यानी राजा का घर ठीक अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बना है। सीमा की काल्पनिक लाइन घर के बीच से गुजरती है। घर के एक हिस्से में भारत है तो दूसरे हिस्से में म्यांमार। पर्यटक जब इस घर में घुसते हैं तो हैरान रह जाते हैं। व्लॉगर और यूट्यूबर्स यहां आकर वीडियो बनाते हैं और लाखों व्यूज पाते हैं। एक व्लॉगर ने हाल ही में वीडियो शेयर किया जिसमें उसने

बताया, यह बेडरूम भारत में है और किचन म्यांमार में। घर के राजा के परिवार में दो रानियां और नौ बच्चे हैं। वे बताते हैं कि उनके लिए यह जिंदगी बिल्कुल नॉर्मल है। सुबह उठते हैं, चाय पीते हैं भारत में, फिर नाश्ता बनाने किचन में म्यांमार चले जाते हैं। खाना बनाकर भारत में आकर खाते हैं। सोने का समय होते ही बेडरूम में भारत लौट आते हैं। बच्चे स्कूल भारत में जाते हैं लेकिन खेलने के लिए म्यांमार की तरफ भी निकल जाते हैं। गांव के बाकी लोग भी इसी तरह जीते हैं। कई घरों में किचन भारत में है तो बेडरूम म्यांमार में। लोग कहते हैं कि सीमा उनके लिए दीवार नहीं बल्कि सिर्फ एक लाइन है।

यह गांव भारत और म्यांमार दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक पुल का काम करता है। यहां के लोग दोहरी नागरिकता जैसा जीवन जीते हैं। उन्हें पासपोर्ट की जरूरत नहीं पड़ती। वे बिना किसी रोक-टोक के दोनों तरफ आ-जा सकते हैं। कोन्याक जनजाति की भाषा, संस्कृति और परंपराएं दोनों देशों में एक समान है। शादी-ब्याह, त्योहार सब साथ मनाए जाते है। लेकिन हाल के वर्षों में भारत सरकार ने सीमा पर बाड़ लगाने की योजना बनाई है जिससे इस अनोखी जिंदगी पर असर पड़ सकता है। लोग चिंतित हैं कि अगर बाड़ लग गई तो उनका घर बंट जाएगा और रोजमर्रा की जिंदगी मुश्किल हो जाएगी।

# अब मुर्दों से भी टैक्स लेगी सरकार? यहां श्मशान की दीवार पर चिपकाया गया क्यूआर कोड

दंतेवाड़ा नगर पालिका से एक ऐसी हास्यास्पद और गंभीर लापरवाही की खबर सामने आई है, जिसने पूरे शहर को चौंका दिया है। पालिका की ओर से टैक्स वसूली को डिजिटल और आसान बनाने के लिए घरों के बाहर क्यूआर कोड लगाने का अभियान चलाया जा रहा है। लेकिन इस अभियान के दौरान ठेका कंपनी के कर्मचारियों और अधिकारियों ने सारी हदें पार कर दीं, जब उन्होंने शहर के एक सार्वजनिक श्मशान घाट के पिलर पर भी टैक्स जमा करने का डिजिटल कोड चस्पा कर दिया। हैरत की बात यह है कि इस कोड पर श्मशान घाट के बजाय 'सुरभि कॉलोनी' का नाम लिखा गया था, जिससे यह स्पष्ट होता है कि सरकारी रिकॉर्ड में श्मशान को एक रिहायशी प्रॉपर्टी के तौर पर दर्ज कर दिया गया था। नियमों की बात करें तो किसी भी गांव या शहर का श्मशान घाट पूरी तरह से स्थानीय निकाय की अपनी सार्वजनिक संपत्ति होती है। भारतीय कानूनों के तहत, सार्वजनिक पूजा स्थल जैसे मंदिर, मस्जिद, चर्च या फिर श्मशान और कब्रिस्तान जैसी जगहों पर किसी भी प्रकार का टैक्स या प्रॉपर्टी कर नहीं लगाया जा सकता। ये संपत्तियां हर तरह के कर से पूरी तरह मुक्त होती हैं। दैनिक भास्कर की रिपोर्ट के मुताबिक, इसके बावजूद श्मशान घाट को 'सुरभि कॉलोनी' का हिस्सा बताकर वहां टैक्स कोड लगाना न केवल नियमों का खुला उल्लंघन है, बल्कि प्रशासनिक अज्ञानता का भी सबसे बड़ा उदाहरण है। जैसे ही यह मामला सार्वजनिक हुआ और लोगों ने श्मशान के पिलर पर टैक्स कोड देखा, नगर पालिका की चहुंओर किरकिरी होने लगी। स्थानीय निवासियों ने इसे लेकर कड़ा विरोध जताया, जिसके बाद प्रशासन हरकत में आया। मामले की गंभीरता को देखते हुए नगर पालिका के सीएमओ पाल दास ने इसे एक मानवीय भूल करार दिया और तुरंत उस क्यूआर कोड को वहां से हटवा दिया। अधिकारियों ने माना कि डेटा फीडिंग और फील्ड वर्क के दौरान ठेका कंपनी के कर्मचारियों की लापरवाही के कारण श्मशान की पहचान एक निजी कॉलोनी के रूप में कर दी गई थी। वर्तमान योजना के तहत दंतेवाड़ा में लगभग 4600 संपत्तियों को डिजिटल टैक्स दायरे में शामिल किया जाना है, जिसमें रिहायशी और व्यावसायिक भवन शामिल हैं। हालाँकि, इस डिजिटल पहल में खामियों की भरमार है। कई घरों में गलत कोड चस्पा कर दिए गए हैं, जिससे लोगों को अपनी संपत्ति का विवरण देखने में परेशानी हो रही है। श्मशान घाट पर क्यूआर कोड लगने की इस घटना ने साफ कर दिया है कि बिना जमीनी हकीकत जाने और रिकॉर्ड्स को क्रॉस-चेक किए बिना ही डिजिटल सिस्टम को लागू करने की कोशिश की गई, जिससे जनता में भारी आक्रोश है।

# परिसीमन के नाटक से ध्यान भटका रही भाजपा : खरगे

## भाजपा की उदासीनता से भारतीय किसान बुरी तरह पीड़ित हैं

» कांग्रेस अध्यक्ष ने भाजपा सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भारतीय सरकार पर देश के ईंधन और उर्वरक आपूर्ति को सुरक्षित करने में विफल रहने और परिसीमन के नाटक के माध्यम से ध्यान भटकाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भारत का ईंधन उत्पादन कम हो गया है, आयात विविधीकरण लड़खड़ा गया है, और होर्मुज जलडमरूमध्य में भारतीय ध्वज वाले 14 जहाज फंसे हुए हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भाजपा सरकार पर ईंधन और उर्वरक सुरक्षा में दोहरी विफलता का आरोप लगाते हुए कहा कि कच्चे तेल और गैस उत्पादन में भारी गिरावट आई है।

उन्होंने सरकार पर परिसीमन जैसे मुद्दों से ध्यान भटकाने का आरोप लगाया, जबकि होर्मुज जलडमरूमध्य में भारतीय जहाज फंसे हुए हैं और किसान उर्वरक की कमी से जूझ रहे हैं। खरगे ने एक्स पर लिखा कि प्रधानमंत्री मोदी सरकार ने परिसीमन के हथकंडों के जरिए अपनी विफलताओं और एपस्टीन फाइल के गंभीर आरोपों से ध्यान हटाने की कोशिश की, लेकिन भारत ने इस दिखावे को भांप लिया। भाजपा देश के लिए ईंधन और उर्वरक सुरक्षा सुनिश्चित करने में बुरी तरह विफल रही है। उर्वरक भंडार के बारे में उन्होंने कहा कि भू-राजनीतिक उथल-पुथल से पहले भी, कई मौसमों में उर्वरक की कमी की खबरें आ रही थीं। भाजपा की उदासीनता के दुष्परिणामों से भारतीय किसान बुरी तरह पीड़ित हैं! उन्होंने आगे कहा कि मार्च 2026 में उर्वरक उत्पादन पांच साल के निचले स्तर पर आ गया, जिसमें पिछले वर्ष की तुलना में 24.6त्न की गिरावट दर्ज की गई। उन्होंने कहा कि चीन ने जुलाई 025 में ही विशेष उर्वरकों पर प्रतिबंध लगा दिया था, लेकिन मोदी सरकार ने आयात में विविधता लाने की जहमत नहीं उठाई। रूस ने भी अब उर्वरक निर्यात रोक दिया है। खरगे ने मार्दर्शक मंडल के सदस्य श्री मुरली मनोहर जोशी का हवाला देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की परोक्ष रूप से आलोचना की, जिन्होंने हाल ही में सुझाव दिया था कि भारत को विश्वगुरु की बयानबाजी बंद कर देनी चाहिए।

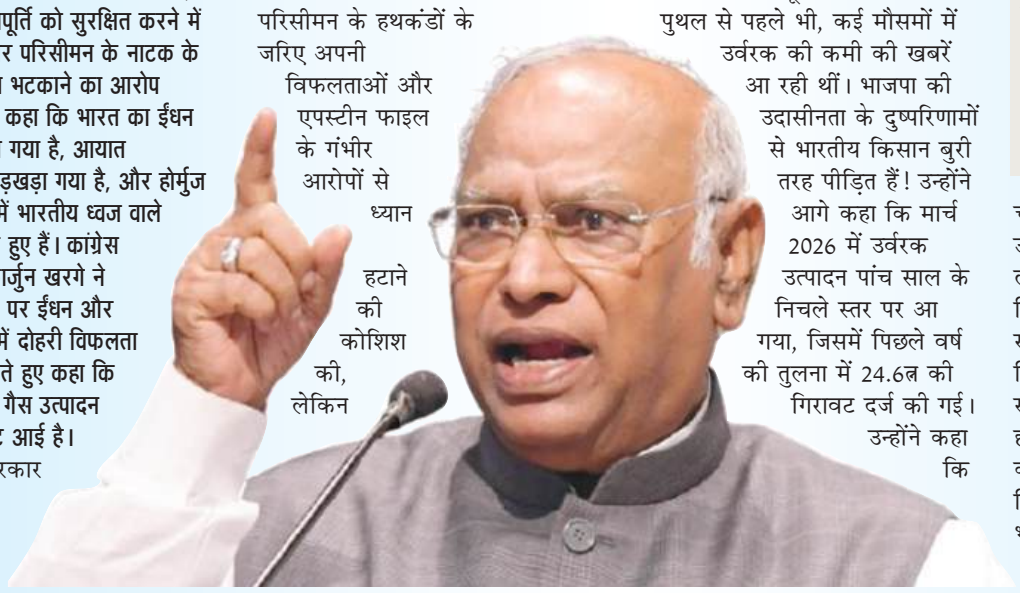

### उत्पादन में आई गिरावट

खरगे ने आगे कहा कि उत्पादन में गिरावट आई है, आयात विविधीकरण विफल रहा है, होर्मुज जलडमरूमध्य में हमारे जहाजों को सुरक्षित मार्ग नहीं मिल पा रहा है। भारतीय ध्वज वाले 14 जहाज 54 दिनों से वहां फंसे हुए हैं। मोदी सरकार की वजह से भारत का कच्चा तेल उत्पादन 25-26 में लगातार 11वें वर्ष गिर रहा है। कुल कच्चे तेल उत्पादन में 2014-15 से लगभग 22त्न की गिरावट आई है। खरगे ने आगे बताया कि गैस उत्पादन में लगभग 40 प्रतिशत की गिरावट आई है, जो 2011-12 में 47,555 मिलियन माइक्रोमीटर सेमी से गिरकर 2020-21 में 28,672 मिलियन माइक्रोमीटर सेमी हो गया है।

# कुछ जगहों पर ईवीएम में गड़बड़ी : अधीर रंजन चौधरी

» कांग्रेस ने उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकता। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनावों के पहले चरण के दौरान, बहरामपुर निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि जिले के एक बूथ में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) बार-बार खराब हो रही है। उन्होंने कहा कि इस वजह से मतदाताओं को अपना वोट डालने के लिए चिलचिलाती गर्मी में घंटों इंतज़ार करना पड़ा । एक मतदान केंद्र के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, मुझे सुबह से ही यह खबर मिल रही है कि बूथ नंबर 141 में ईवीएम बार-बार खराब हो रही है।

मैंने इस बारे में शिकायत भी दर्ज कराई थी, और हालांकि ईवीएम बदल दी गई थीं, लेकिन स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है। चौधरी के अनुसार, चुनाव आयोग ने आश्वासन दिया था कि वे तकनीशियन भेजेंगे, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया है। उन्होंने कहा कि नतीजतन, मुझे यहां आने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने आगे कहा कि मैंने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को भी एक लिखित शिकायत भेजी है। मैंने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को भी एक लिखित शिकायत भेजी है। इसके अलावा, कांग्रेस उम्मीदवार ने कहा कि उन्होंने इस मामले को लेकर जिलाधिकारी से भी संपर्क किया है। उन्होंने भरोसा दिलाया है कि वे इस समस्या को ठीक करने की कोशिश कर रहे हैं। चौधरी ने ईवीएम में खराबी के कारण मतदाताओं को हो रही दिक्कतों का मुद्दा भी उठाया। लोग इस चिलचिलाती गर्मी में इतनी ज़्यादा परेशानी झेल रहे हैं कि वे वापस अपने घर लौट रहे हैं। वहां न कोई छांव है और मतदाता इतनी लंबी कतारों में घंटों इंतज़ार कर रहे हैं। उन्होंने विशेष रूप से महिला मतदाताओं को हो रही दिक्कतों पर ज़ोर दिया। महिलाएं इतनी गर्मी में खड़ी हैं और फिर भी अपना वोट डालने के लिए दृढ़ हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि अगर वे इस बार वोट नहीं डालती हैं, तो अगली बार उनसे कहा जाएगा कि, चूंकि आपने वोट नहीं डाला, इसलिए आपको स्ट्रक के तहत मिलने वाले नागरिक अधिकारों से वंचित कर दिया जाएगा।

# पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत और दिग्विजय चौटाला को नोटिस

» एसआईटी ने अपना पक्ष रखने के लिए बुलाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हिसार। हिसार में पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला-सीआईए इंचार्ज पवन कुमार के विवाद के मामले में एसआईटी इंचार्ज डीएसपी कमलजीत ने पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला और दिग्विजय चौटाला को नोटिस जारी कर अपना जवाब देने के लिए बुलाया है। डीएसपी कमलजीत ने इस मामले सीआईए इंचार्ज पवन सहित सभी 6 पुलिस कर्मियों को भी नोटिस दिया है। अभी दुष्यंत चौटाला-दिग्विजय चौटाला ने जांच में शामिल होने के लिए कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। जजपा प्रवक्ता एडवोकेट मनदीप बिश्नोई का कहना है कि पुलिस ने अभी तक शिकायत व एफआईआर की कॉपी उपलब्ध नहीं करवाई है।

उसे देखने के बाद ही जवाब दिया जा सकता है। आज पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला कार्यकर्ताओं की बैठक लेने आएंगे। जिसके बाद इस विषय पर भी विमर्श किया जाएगा। एसआईटी इंचार्ज कमलजीत ने कहा कि अभी इस मामले में निष्पक्ष जांच होगी। हमने दोनों पक्षों से साक्ष्य मांगे हैं। उनके बयान भी लेंगे। इसके बाद मौके से जुटाए गए अन्य वीडियो का भी विश्लेषण करेंगे। पूरी जांच के बाद एसपी सिद्धांत जैन को रिपोर्ट सौंपेंगे। गुरु जम्भेश्वर यूनिवर्सिटी में प्रदर्शन के बाद जजपा व इनसो नेताओं पर एफआईआर दर्ज होने के बाद 17 अप्रैल को पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला और उनके भाई दिग्विजय चौटाला मामले के विरोध में गिरफ्तारी देने सिटी थाना पहुंचे थे। इसके बाद एसपी ऑफिस जा रहे थे तो रास्ते में सब्जी मंडी पुल पर सीआईए इंचार्ज पवन कुमार के साथ पुलिस कर्मियों से काफी बहस हुई थी।

# टीएमसी पहले से ही चुनाव जीतने की स्थिति में

» पहले चरण में रिकॉर्ड संख्या में वोट पड़ने से सीएम ममता गदगद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकताता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को मतदान के पहले चरण में रिकॉर्ड संख्या में वोट पड़ने के बाद अपनी पहली प्रतिक्रिया दी और कहा कि इससे संकेत मिलता है कि टीएमसी पहले से ही चुनाव जीतने की स्थिति में है। कोलकाता में एक चुनावी रैली में ममता बनर्जी ने कहा कि बंगाल चुनाव के पहले चरण में अब तक जितने वोट पड़े हैं, उससे संकेत मिलता है कि टीएमसी पहले से ही चुनाव जीतने की स्थिति में है। मुझे किसी पद में कोई दिलचस्पी नहीं है, मैं तो बस केंद्र में बीजेपी सरकार का अंत चाहती हूं।

तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने कोलकाता के बो बाजार इलाके में एक रैली में कहा कि चुनाव जीतने के बाद वह सभी विपक्षी दलों को साथ लेकर दिल्ली पर जीत हासिल करेंगी। बनर्जी ने कहा कि लोगों के मन को समझने के आधार पर, आज अब तक हुई वोटिंग को देखते हुए, हम पहले से ही जीतने की स्थिति में हैं। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनावों की शुरुआत बड़े उत्साह के साथ हुई, जिसमें पहले चरण में 152 सीटों पर वोट डाले गए। सुबह से ही बड़ी संख्या में वोटर वोट डालने के लिए निकले और जैसे-जैसे दिन चढ़ता गया, बढ़ती गर्मी के बावजूद यह सिलसिला जारी रहा। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, शाम 5 बजे तक राज्य में 89.93 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। नतीजों की घोषणा 4 मई को होगी, लेकिन इस भारी मतदान ने अभी से ही राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है।

### बंगाल में बीजेपी की जीत पक्की : अधिकारी

भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के नेता सुवेंदु अधिकारी ने पहले चरण के मतदान में अपनी पार्टी के प्रदर्शन को लेकर एक बड़ा दावा किया। रिकॉर्ड तोड़ मतदान पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा, चुनाव आयोग सफल रहा और मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। मेरी जानकारी के अनुसार, मतदान का आंकड़ा नब्बे प्रतिशत तक पहुंच गया है। हम पहले चरण की 152 सीटों में से 125 सीटें जीतेंगे... मुस्लिम वोट तो पहले से ही एकजुट थे, लेकिन नतीजों के बाद आप देखेंगे कि 85 प्रतिशत हिंदू बीजेपी के साथ होंगे।

# जीत की लय हासिल करना चाहेगी आरसीबी

» घरेलू मैदान पर गुजरात टाइटंस से मुकाबला आज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बंगलूरू। आरसीबी और गुजरात टाइटंस के बीच आज आईपीएल 2026 का 34वां मैच खेला जाएगा। यह मुकाबला एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में होगा। मौजूदा चैंपियन आरसीबी ने अपने शुरुआती दो मुकाबलों में सनराइजर्स हैदराबाद और चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ जीत दर्ज की। इसके बाद उसे राजस्थान रॉयल्स के हाथों शिकस्त झेलनी पड़ी। अगले दो मुकाबले मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जाएंट्स के विरुद्ध जीतने के बाद इस टीम को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। इस सीजन में अपने घर पर पहली हार का सामना करने के बावजूद आरसीबी आईपीएल 2026 की बेहतरीन टीमों में से एक रही है।

यह टीम एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में अपने आखिरी घरेलू मैच में जोरदार वापसी करने का लक्ष्य रखेगी। क्योंकि उसे अब अपने अधिकतर मैच विरोधी टीम के मैदान पर खेलने हैं। दूसरी ओर, पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ लगातार दो मुकाबले गंवाने के बाद गुजरात ने दिल्ली कैपिटल्स, लखनऊ सुपर जायंट्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ मुकाबले जीते। इसके बाद उसे मुंबई इंडियंस के विरुद्ध 99 रन से करारी हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के साथ उनकी लगातार तीन जीत का सिलसिला टूट गया। यह टीम जल्द से जल्द वापसी करने के लिए बेताब होगी। हालांकि, आईपीएल के सबसे चुनौतीपूर्ण मैदानों में से एक पर जीत हासिल करना उनके लिए एक बड़ी परीक्षा होगी। आरसीबी और गुजरात टाइटंस के बीच अब तक का आमने-सामने का रिकॉर्ड बराबरी का रहा है। अब तक खेले गए छह मुकाबलों में दोनों टीमों ने तीन-तीन मैच जीते हैं। अब देखना दिलचस्प होगा कि कौन सी टीम इस मैच में बाजी मारकर आगे निकलती है।

### मुंबई के खिलाफ चेन्नई की सबसे बड़ी जीत

मुंबई। संजू सैमसन की तूफानी शतकीय पारी के बाद अकील होसेन की अगुवाई में गेंदबाजों के घातक प्रदर्शन के दम पर चेन्नई सुपर किंग्स ने मुंबई इंडियंस को 103 रनों से हरा दिया। गुरुवार को वानखेड़े में खेले गए मुकाबले में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी चेन्नई ने 20 ओवर में छह विकेट पर 207 रन बनाए। जवाब में मुंबई की टीम 19 ओवर में 104 रन ही बना सकी और ऑलआउट हो गई। चेन्नई की टीम आईपीएल में मुंबई के खिलाफ सबसे ज्यादा जीत दर्ज करने वाली टीम बन गई। दोनों टीमों के बीच खेले गए 40 मैचों में चेन्नई की यह 19वीं जीत है। इस मामले में दूसरे स्थान पर पंजाब किंग्स है, जिसने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 18 बार जीत दर्ज की है। तीसरे, चौथे और पांचवें स्थान पर क्रमशः दिल्ली कैपिटल्स (17), आरसीबी (16) और राजस्थान रॉयल्स (15) मौजूद हैं। इसके अलावा यह चेन्नई की रनों के अंतर से आईपीएल में मुंबई इंडियंस के खिलाफ और ओवरऑल सबसे बड़ी जीत है। इससे पहले टीम ने 2015 में किंग्स इलेवन पंजाब को 97 रनों से चेपॉक में हराया था।

# बिहार में सम्राट का फ्लोर टेस्ट, विपक्ष का प्रहार

## » तेजस्वी यादव ने सदन में सम्राट सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**पटना। बिहार विधानसभा में विश्वास मत - फ्लोर टेस्ट के दौरान नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने एक तरफ मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सरकार को समर्थन देने का एलान किया, तो दूसरी ओर तीखे हमलों से सियासी तापमान बढ़ा दिया।**

उन्होंने साफ कहा कि सरकार नई नीतियों और योजनाओं में विपक्ष की राय भी शामिल करे, ताकि फैसले व्यापक सहमति से लिए जा सकें। सदन में अपने संबोधन के दौरान तेजस्वी ने राज्य की आर्थिक स्थिति पर गंभीर सवाल उठाए। उनका कहना था कि बिहार का खजाना खाली है और विकास के लिए संसाधन जुटाना बड़ी चुनौती है।

उन्होंने मुख्यमंत्री से अपील की कि पक्ष-विपक्ष मिलकर प्रधानमंत्री के पास जाएं और बिहार के लिए विशेष पैकेज की मांग करें। तेजस्वी यहीं नहीं रुके। उन्होंने सम्राट चौधरी को इलेक्टेड नहीं, सलेक्टेड मुख्यमंत्री बताते हुए तंज कसा और याद दिलाया कि नीतीश कुमार को हटाने का उनका संकल्प पूरा हो चुका है। साथ ही चुटकी लेते हुए कहा कि मुख्यमंत्री अपनी पगड़ी संभाल कर रखें, क्योंकि विजय कुमार सिन्हा की नजर भी कुर्सी पर है। परिवारवाद के मुद्दे पर भी तेजस्वी ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि अब केवल उन्हें ही इस आरोप का सामना नहीं करना पड़ेगा, क्योंकि सम्राट चौधरी के परिवार के सदस्य भी राजनीति में सक्रिय हैं।

### लालू जी सीएम तो सरप्लस में था खजाना

आर्थिक मोर्चे पर उन्होंने आंकड़ों के साथ सरकार को घेरा। तेजस्वी के अनुसार, पिछले वित्तीय वर्ष में बिहार सरकार ने करीब 40,000 करोड़ रुपये का कर्ज लिया और इस साल भी 12,000 करोड़ रुपये का लोन लिया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि राज्य पर कुल कर्ज लगभग 4 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जिससे प्रति व्यक्ति आय और वित्तीय स्थिति पर दबाव बढ़ रहा है। जब लालू जी बने तब सरप्लस में था। बिहार पर चार लाख करोड़ का कर्ज है। खजाना खाली है तो काम कैसे होगा। यह जानना चाहते हैं।

### तेजस्वी ने चौधरी को दी पगड़ी संभालकर रखने की नसीहत

सदन की कार्यवाही शुरू हो गई है। तेजस्वी यादव बोल रहे हैं। उन्होंने नए सीएम सम्राट चौधरी को कहा कि आपने जो पगड़ी उतारकर कहीं भी रखी है तो उसको संभाल कर रखिएगा। विजय सिन्हा की उस पर नजर है।

### भाजपा-आरएसएस के कई नेता असंतुष्ट

उन्होंने कहा कि 25 से 30 फिर से नीतीश का नारा लगाया जा रहा था, लेकिन भाजपा ने नीतीश को फिनिश कर दिया। पांच साल में पांचवीं सरकार का गठन हुआ, ऐसे में विकास कैसे होगा? बिहार इस मामले में अजूबा राज्य है। भले भाजपा का पहला सीएम हो लेकिन भाजपा, आरएसएस के लोग संतुष्ट नहीं हैं। जो ऑरिजनल भाजपाई हैं, जिन्होंने त्याग दिया, वे सीएम नहीं बने। वे ठगे महसूस कर रहे हैं। टॉप थ्री में जो हैं उनमें सम्राट जी लालू जी की पाठशाला से,विजय चौधरी कांग्रेस से और बिजेंद्र प्रसाद यादव जनता दल से निकले।

### अनंत सिंह ने कहा- तेजस्वी यादव कुछ नहीं कर पाएंगे

उधर जेडीयू के विधायक अनंत कुमार सिंह ने तेजस्वी यादव पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा, वे (तेजस्वी यादव) कुछ नहीं कर पाएंगे. विपक्ष का काम ही विपक्ष में बोलना होता है...बता दें कि अनंत सिंह का ये बयान सदन की कार्यवाही से पहले का है।

### चौधरी बोले- एनडीए से नहीं हट रहा लोगों का विश्वास

उपमुख्यमंत्री विजय चौधरी ने सदन में कहा कि पीढ़ियां बदल रही हैं, लेकिन लोगों का विश्वास एनडीए से नहीं हट रहा है. यह कोई बड़ी बात नहीं कि एनडीए की तीसरी पीढ़ी भी सरकार बनाएगी।

# सालों से जमे नगर निगम के बाबू, नहीं हुआ ट्रांसफर

## » मुख्यमंत्री की जीरो टॉलरेंस नीति पर फिर सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। राजधानी लखनऊ के नगर निगम में वर्षों से जमे बाबुओं का ट्रांसफर न होना अब चर्चा का विषय बनता जा रहा है। शासन स्तर पर भले ही भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त रुख और जीरो टॉलरेंस नीति की बात कही जाती हो, लेकिन नगर निगम के कई विभागों में सालों से एक ही सीट पर बैठे बाबू इस नीति को खुली चुनौती देते नजर आ रहे हैं।**

सूत्रों के अनुसार नगर निगम के कई अहम विभागों में ऐसे बाबू तैनात हैं जो लंबे समय से एक ही कुर्सी पर जमे हुए हैं। इतने लंबे समय तक एक ही जगह रहने से विभागीय कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठने लगे हैं। आम लोगों का आरोप है कि बाबुओं की पकड़ इतनी मजबूत हो चुकी है कि उनके तबादले की फाइलें भी आगे नहीं बढ़ पातीं।लंबे समय तक एक ही सीट पर जमे रहने से कामकाज में पारदर्शिता प्रभावित होती है और भ्रष्टाचार की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। कई बार शिकायतें होने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं देते। नगर निगम में चल रही इस व्यवस्था को लेकर अब लोगों के बीच चर्चा है कि आखिर कब इन वर्षों से जमे बाबुओं पर कार्रवाई होगी और कब तबादले की प्रक्रिया लागू की जाएगी।

# चुनाव कर्मियों के नाम वोटर लिस्ट से कटने के मामले की सुनवाई से इंकार

## » सुप्रीम कोट ने याचिकर्ता को ट्रिब्यूनल जाने को कहा

## » बंगाल में 92 प्रतिशत मतदान पर सीजेआई खुश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने उन याचिकाओं पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया है, जिनमें पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के दौरान चुनाव ड्यूटी पर तैनात कुछ लोगों के वोटर लिस्ट से कथित तौर पर बाहर किए जाने के मामले में कोर्ट के दखल की मांग की गई थी।**

वहीं सीजेआई ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 92 प्रतिशत मतदान पर खुशी व्यक्त की है। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को उन याचिकाओं पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया है, जिनमें पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के दौरान चुनाव ड्यूटी पर तैनात कुछ लोगों के नाम वोटर लिस्ट से कथित तौर पर हटाए जाने के मामले में कोर्ट के दखल की मांग की गई थी। याचिकाकर्ताओं की तरफ से पेश वकील ने सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच को बताया कि जो लोग चुनाव करवा रहे हैं, वे भी वोट नहीं डाल पा रहे हैं। इस दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 92 प्रतिशत मतदान पर खुशी व्यक्त की है।

याचिकाकर्ता की दलील पर सीजेआई ने कहा, कृपया इस समस्या को अपीलीय ट्रिब्यूनल के सामने उठाएं। हम हर रोज अपने आदेश नहीं बदल सकते। पीठ में शामिल जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने इस मामले पर टिप्पणी करते हुए कहा कि चाहे वे इस साल वोट डाल पाएं या नहीं, वोटर लिस्ट में उनका नाम बने रहने के अधिक अहम अधिकार की कोर्ट द्वारा जांच की जाएगी।

### अपीलीय ट्रिब्यूनल को सुप्रीम कोर्ट का निर्देश

सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल चुनावों में एसआईआर प्रक्रिया के दौरान वोटर लिस्ट से बाहर किए गए लोगों को यह छूट दी है कि वे अपनी शिकायत लेकर कलकत्ता हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के पास जा सकते हैं। सीजेआई सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने अपीलीय ट्रिब्यूनल को निर्देश दिया है कि वे उन बाहर किए गए लोगों के मामलों की बारी से पहले सुनवाई करें, जिनकी अपीलें लंबित हैं और जिन्होंने अपने मामले में तत्काल सुनवाई की जरूरत साबित की है।

# हाईकोर्ट से भी नहीं मिली पवन खेड़ा को राहत

## अग्रिम ज़मानत याचिका की खारिज, असम सीएम की पत्नी ने दर्ज कराया है केस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**गुवाहाटी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा को शुक्रवार को गुवाहाटी हाई कोर्ट से एक और झटका लगा। कोर्ट ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी रिनिकी भुइयां सरमा की शिकायत पर उनके खिलाफ दर्ज एक मामले में उनकी अग्रिम ज़मानत याचिका खारिज कर दी।**

यह आदेश जस्टिस पार्थिवज्योति सैकिया ने दिया, जिन्होंने इस मंगलवार को दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। यह घटनाक्रम कांग्रेस नेता की ट्रांज़िट ज़मानत याचिका को सुप्रीम कोर्ट द्वारा खारिज किए जाने के कुछ दिनों बाद सामने आया है। सुप्रीम कोर्ट ने खेड़ा से कहा था कि वे इस मामले में राहत के लिए असम की अदालत का रुख करें। शीर्ष अदालत ने यह भी स्पष्ट किया था कि न तो वह और न ही तेलंगाना हाई कोर्ट असम की अदालत के काम में कोई दखल देगा, जो इस मामले की सुनवाई करेगी। सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश ने भारतीय जनता पार्टी को कांग्रेस पर हमला करने का एक और मौका दे दिया। बीजेपी ने कहा कि इस फैसले से सरमा और उनकी पत्नी के खिलाफ खेड़ा के बेबुनियाद और राजनीतिक रूप से प्रेरित अभियान की पोल खुल गई है। प्रवक्ता शहज़ाद पूनावाला ने एक्स (ट्विटर) पर एक वीडियो में कहा था, वे दस्तावेज़ (जिनका इस्तेमाल खेड़ा ने किया था) जाली, नकली, फोटोशॉप्ड और/या जनरेटेड निकले; और महज़ आधे घंटे के अंदर ही पूरी सच्चाई सामने आ गई। यह घटनाक्रम तब सामने आया है जब हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने भी पवन खेड़ा की ट्रांज़िट ज़मानत याचिका को खारिज कर दिया था। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट शब्दों में कहा था कि खेड़ा को राहत के लिए संबंधित राज्य (असम) की निचली अदालत या हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी साफ कर दिया था कि वह या तेलंगाना हाई कोर्ट, असम की अदालत की न्यायिक कार्यवाही में कोई हस्तक्षेप नहीं करेंगे।

# बीआरएस अपनी मूल भावना खो चुकी है: के. कविता

## » बीआरएस से निष्कासित नेता ने तेलंगाना में बनाई नई क्षेत्रीय पार्टी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**हैदराबाद। बीआरएस से निष्कासित के. कविता ने तेलंगाना में एक नई क्षेत्रीय पार्टी की घोषणा की है, जिसका उद्देश्य राज्य की अधूरी आकांक्षाओं को पूरा करना है। उन्होंने दावा किया कि बीआरएस अपनी मूल भावना खो चुकी है और उनकी नई पार्टी व्यक्तिगत एजेंडे के बजाय तेलंगाना के लोगों के कल्याण पर ध्यान केंद्रित करेगी।**

तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष कविता ने 24 अप्रैल को तेलंगाना में एक नए क्षेत्रीय राजनीतिक दल के शुभारंभ की घोषणा की, जो राज्य की आकांक्षाओं और अधूरे एजेंडे को प्राथमिकता देगा। उन्होंने कहा कि उन्हें और उनके समर्थकों को बीआरएस से निष्कासित कर दिया गया था, और इस बात पर जोर दिया कि उन्होंने स्वेच्छा से दल नहीं छोड़ा था। कविता ने कहा कि बीआरएस पार्टी का गठन तेलंगाना की क्षेत्रीय आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए किया गया था, लेकिन उन्होंने अपना नाम, काम और पार्टी की मूल भावना ही बदल दी, जिसके परिणामस्वरूप जनता के साथ उनका रिश्ता टूट गया। मैंने जो पीड़ा झेली है, उसने मुझे एक बेहतर और अधिक दृढ़ इंसान बनाया है। मेरा लक्ष्य जनता के लिए काम करना है।

**महाराष्ट्र कार्यालय**:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **विधि सलाहकार**: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
**RNI-UPHIN/2015/62233**, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा**
द्वारा **आस्था प्रिंटर्स**, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक- संजय शर्मा**